मगध विश्वविधालय

एम० ए० (हिन्दी) सेमेस्टर पद्दति का पाठ्यक्रम

(सत्र 2011 - 12)

एम० ए० हिन्दी का द्विवर्षीय पाठ्यक्रम चार सेमेस्टर में विभाजित किया गया है । प्रत्येक सेमेस्टर में चार पाठ्यक्रम है यानि चार सेमेस्टर में कुल 16 पाठ्यक्रम है । प्रत्येक पाठ्यक्रम का प्रश्न पत्र 100 अंको का होगा, जिसमे 70 अंक सेमेस्टर के अंत में होने वाली लिखित परीक्षा के लिए निर्धारित है और 30 अंक मौखिकी / संगोष्ठी / ट्युटोरिअल के लिए (विभागीय मूल्यांकन) निर्धारित है । लिखित परीक्षा तीन घंटो की होगी ।

8 वाँ और 16 वाँ प्रश्नपत्र विशेष अध्ययन से सम्बंधित है । शेष सभी प्रश्न पत्र बीज पाठ्यक्रम (कोर) है । 8 वें प्रश्नपत्र में मूल भाषाओँ - (संस्कृत / पालि / प्राकृत / अपभ्रंश) अथवा प्रादेशिक भाषाओँ (मगही/भोजपुरी/मैथिली), (बंगला/मराठी/तेलुगु/कन्नड़/उर्दू/तमिल), (संताली, खोरठा, मुंडारी जनजातीय भाषाओँ) में से किसी एक का अध्ययन अपेक्षित है ।

16 वें प्रश्नपत्र में किसी एक साहित्यकार (जायसी/ सूर/ तुलसी/ प्रेमचंद/ प्रसाद/ निराला/ रामचंद्र शुक्ल/ हजारी प्रसाद द्विवेदी/ दिनकर/ अज्ञेय/ मुक्तिबेध/ यशपाल/ जैनेन्द्र/ अमृतलाल नागर का अध्ययन अपेक्षित है ।

अथवा

किसी साहित्य की प्रवृति विशेष, यथा-संत काव्य/ आधुनिक हिन्दी साहित्य, (1919 - 1947) । स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य । मगध प्रक्षेत्र का साहित्य (पं० मोहनलाल महतो वियोगी/ पं० हंस कुमार तिवारी/ जानकी वल्लभ शास्त्री/ रामनरेश पाठक अदि ।) में से एक का अध्ययन अपेक्षित है ।

अथवा

हिन्दी भाषा शिक्षण/ अनुवाद: कला/ बोलीविज्ञान एवं सर्वेक्षण पद्दति/ पाठालोचन/ कोश विज्ञान/, दृश्य श्रव्य माध्यम, हिन्दी पत्रकारिता/ हिन्दी नाटक और रंगमंच । लोकसाहित्य/ जनपदीय भाषा और साहित्य-मगही में से किसी एक का चयन किया जा सकता है । 8 वें और 16 वें प्रश्नपत्र में विषय का चयन शिक्षकों के उपलब्ध होने पर ही विभागाध्यक्ष की अनुमति से किया जा सकेगा ।

नोट :- जिन प्रश्नपत्रों में रचनात्मक साहित्य नहीं पढ़ना है, उनमे से चार लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे ।

एम० ए० हिन्दी प्रथम वर्ष

प्रथम सत्र

प्रश्न पत्र - 1

(छायावादी काव्य)

<u>पाठ्य पुस्तकें : -</u>

1	कामायनी	:-	प्रसाद (श्रद्धा एवं लज्जा सर्ग)
2	अनामिका	:-	निराला (राम की शक्तिपूजा, सरोज स्मृति)
3	तारापथ	:-	पंत (बादल, परिवर्तन, नौका बिहार)
4	दीप शिखा महादेवी	:-	सब बुझे दीपक जला लूँ, जब दीप थके आना, यह मंदिर का दीप, जो ना प्रिय पहचान पति, मोम सा तन धुल चूका मैं पलकों में पल रही हूँ, पूछता क्यों शेष कितनी बात ।

<u>अभिस्तावित ग्रंथ :-</u>

1. जय शंकर प्रसाद - सं० डॉ० विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
2. प्रसाद का काव्य - डॉ० प्रेमशंकर
3. कामायनी : अध्ययन की समस्याएँ - डॉ० नगेन्द्र
4. कामायनी का पुर्नामुल्यांकन - डॉ० रामस्वरूप चतुर्वेदी
5. कवि निराला - डॉ० रामविलास शर्मा
6. निराला की साहित्य साधना भाग 1-2 - डॉ० रामविलास शर्मा
7. निराला के काव्य का अध्ययन - डॉ० भागीरथ मिश्र
8. पंतजी का नूतन काव्य और दर्शन - डॉ० विश्वम्भरनाथ उपाध्याय
9. सुमित्रानंदन पंत : जीवन और दर्शन - शांति जोशी
10. कवि सुमित्रानंदन पंत - नन्ददुलारे वाजपेयी
11. सुमित्रानंदन पंत - डॉ० नागेन्द्र
12. पंत काव्य, कला और दर्शन - नीरज सुधा सक्सेना
13. कामायनी : एक पुनर्विचार - ग० मा० मुक्तिबोध
14. प्रसाद और कामायनी : मूल्यांकन का प्रश्न

15. कमायनिकार का रचना जगत और प्रत्यय - डॉ० सुरेन्द्र
16. कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ - डॉ० नगेन्द्र
17. जयशंकर प्रसाद: सृष्टि और दृष्टि- कल्याणमल लोढ़ा
18. कामायनी की कथा : ग्वेष्णात्मक अनुशीलन - डॉ० वीर सिंह
19. कालजयी कृतियाँ - डॉ० नागेन्द्र
20. राम की शक्तिपूजा : निराला की कालजयी कृति - डॉ० नागेन्द्र
21. छायावाद - डॉ० नामवर सिंह
22. छायावाद और उसके कवि - डॉ० इन्द्रराज सिंह
23. महादेवी : सृजन और शिल्प
24. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि - डॉ० श्रीनिवास शर्मा
25. क्रांतिकारी का निराला - डॉ० बच्चन सिंह

प्रथम वर्ष

पप्रश्न पत्र - 2

(निबंध और नाटक)

<u>पाठ्य पुस्तकें :-</u>

1. चिंतामणि (भाग एक) - आचार्य रामचंद शुक्ल (भाव या मनोविकार लोभ और प्रीति, लोक मंगल की साधनावस्था)
2. अशोक के फूल - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी (बसंत आ गया, अशोक के फूल, भारतीय संस्कृति की देन)
3. स्कंदगुप्त - जयशंकर प्रसाद (व्याख्या के लिए प्रथम दो अंक)
4. अषाढ़ का एक दिन - मोहन राकेश

<u>अभिस्तावित ग्रंथ :-</u>

1. हिन्दी नाटक: उदभव और विकास - डॉ० दशरथ ओझा
2. आधुनिक हिन्दी नाटक - डॉ० चंद्रशेखर
3. भारतीय नाट्य परम्परा - नेमिचंद जैन
4. प्रसाद के नाटकों का समाज शास्त्रीय अध्ययन - डॉ० जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
5. प्रसाद के नाटक - डॉ० सिद्धनाथ कुमार
6. जय शंकर प्रसाद के नाटकों में इतिहास और संस्कृति - डॉ० उमेशचंद्र मिश्र 'शिव'
7. आधुनिक हिन्दी नाटक और रंगमंच - डॉ० लक्ष्मी नारायण लाल
8. प्रसाद का नाट्य कर्म - डॉ० सत्येन्द्र कुमार तनेजा
9. जयशंकरप्रसाद के नाटकोंका रसानुशीलन - डॉ० माया सिंह
10. नाट्य रचना विधान और आलोचना के प्रतिमान - नरनारायण राय
11. स्वछंदतावादी नाटककार जयशंकर प्रसाद - डॉ० दशरथ सिंह
12. नाट्य सिद्धांत विवेचन - शांति मलिक
13. नाटककार मोहन राकेश - जीवन प्रकाश जोशी
14. नाटककार मोहन राकेश - सं० सुन्दरलाल कथूरिया
15. अपने नाटकों के दायरें में मोहन राकेश - डॉ० तिलकराज शर्मा
16. मोहन राकेश का साहित्य - समग्र मूल्यांकन - शरेशचन्द्र चुक्लीमठ

17. मोहन राकेश की रंग सृष्टि - जगदीश शर्मा
18. हिन्दी नाटक - डॉ० बच्चन सिंह
19. प्रसाद के नाटकों में इतिहस और संस्कृति - डॉ० उमेशचंद्र मिश्र
20. प्रसाद के एतिहासिकनाटक - धनंजय
21. हिन्दी गद्द की नई विधाएँ - डॉ० कैलाशचंद्र भाटिया
22. आचार्य रामचंद्र शुक्ल - डॉ० रामविलास शर्मा
23. चिंतामणि मंजूषा - आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
24. आचार्य शुक्ल और चिंतामणि - डॉ० प्रेमकांत टंडन
25. निबंध : स्वरुप और मूल्यांकन - डॉ० चन्द्रप्रकाश मिश्र
26. निबंध : सिद्धांत और प्रयोग - डॉ० हरिहरनाथ द्विवेदी
27. समकालीन हिन्दी निबंध - डॉ० कमला प्रसाद
28. मोहन राकेश का साहित्य - डॉ० वीरेन्द्र मेंहदीरत्ता
29. रंग्शिल्पी मोहन राकेश - डॉ० नरनारायण राय
30. हिन्दी समस्या नाटकों की शिल्प विधि - डॉ० पूनम कुमारी

प्रश्न - सत्र

प्रश्न पत्र - 3

(भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा)

<u>निर्धारित पाठ्य विषय :-</u>

1. भाषा - परिभाषा, विशेषताएँ, भाषाविज्ञान - परिभाषा, अध्ययन की दिशाएँ ।
2. ध्वनि विज्ञान - वागिन्द्रियाँ और उनके कार्य, ध्वनियों का वर्गीकरण, ध्वनि के परिवर्तन के कारन, स्वनिम और उसके भेद
3. रूप विज्ञान - रूप और रूपिम, रूपिम के भेद और प्रकार्य
4. वाक्य विज्ञान - वाक्य की परिभाषा, भेद, वाक्य-संरचना
5. अर्थ विज्ञान - अर्थ की अवधारणा, शब्द-अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन के कारन और दिशाएँ
6. हिन्दी का विकास - प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ, मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ, आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ - स्वरुप और विशेषताएँ

<u>अभिस्तावित ग्रंथ :-</u>

1. सामान्य भाषा विज्ञान - डॉ० बाबू राम सक्सेना
2. भाषा विज्ञान - डॉ० भोलानाथ तिवारी
3. भाषा विज्ञान की भूमिका - आचार्य देवेन्द्र नाथ शर्मा
4. ध्वनि विज्ञान - डॉ० गोलोक बिहारी पाल
5. अभिनव भाषा विज्ञान - डॉ० उदयनारायण तिवारी
6. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धांत - डॉ० रामकिशोर शर्मा
7. रूप विज्ञान - डॉ० लक्ष्मण प्रसाद सिन्हा
8. हिन्दी भाषा का इतिहास - डॉ० धीरेन्द्र वर्मा
9. भाषा भूगोल - डॉ० कैलाश चन्द्र भाटिया
10. भाषा और समाज - डॉ० राम विलास शर्मा
11. भारतीय भाषा और हिन्दी - डॉ० सुनीति कुमार चटर्जी

प्रथम सत्र

प्रश्न पत्र - 4

चतुर्थ प्रश्न पत्र (हिन्दी साहित्य का इतिहास - आरंभ से रीति काल तक)

पाठ्यांश :-

1. हिन्दी साहित्य के इतिहास-लेखन का इतिहास, काल-विभाजन एवं नामकरण, आदिकालीन साहित्य परम्परा-सिद्ध, नाथ और जैन साहित्य, प्रमुख रासो काव्य, अमीर खुसरो की कविता, विधापति और उनकी पदावली, आदिकालीन साहित्य की परम्परा ।
2. भक्ति-आंदोलन के सामाजिक सांस्कृतिक कारण, निर्गुण संत/ सूफी संत/ प्रमुख सगुण भक्त, कवि, निर्गुण और सगुण भक्ति की मुख्य धाराएँ, भक्तिकाल की सामान्य विशेषताएँ ।
3. दरबारी संस्कृति और रीतिकाल, रीतिकाव्य के प्रेरणा-स्त्रोत, प्रमुख रीति कवि, रीतिबद्ध, रीतिसिद्धि, रीति मुक्त काव्यधारा, रीति काव्य की सामान्य विशेषताएँ ।
4. बिहार की हिन्दी साहित्य, प्रमुख साहित्यकारों की कृतियाँ और उनकी विशेषताएँ ।
5. काव्य की नैतिकता और पर्यावरण

अभिस्तावित ग्रंथ :-

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य : उदभव और विकास - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. हिन्दी साहित्य की भूमिका - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. हिन्दी साहित्य का आदिकाल - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
5. हिन्दी साहित्य का अतीत भाग 1-2 - आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
6. हिन्दी साहित्य का इतिहास - संपा० डॉ० नगेन्द्र
7. हिन्दी साहित्य का बृहद इतिहास - नागरी प्रचारिणी सभा
8. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास - डॉ० गणपति चन्द्र गुप्त
9. हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - डॉ० वासुदेव सिंह
10. हिन्दी साहित्य : सर्वेक्षण और समीक्षा - डॉ० श्यामनन्दन प्रसाद सिंह
11. द्वितीय महायुधोत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ० लक्ष्मी सागर वाष्णेव
12. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : विकास और प्रवृति - डॉ० हौसला प्रसाद सिंह
13. आदिकाल की प्रमाणिक रचनाएँ - डॉ० गणपति चन्द्र गुप्त
14. हिन्दी साहित्य की प्रवृतियाँ - डॉ० नगेन्द्र
15. हिन्दी साहित्य का नया इतिहास - डॉ० रामखेलावन पांडेय
16. साहित्य का इतिहास दर्शन - आचार्य नलिन विलोचन शर्मा

17. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - डॉ० रामकुमार वर्मा
18. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास - डॉ० रामस्वरूप चतुर्वेदी
19. हिन्दी साहित्य का इतिहास - विजयेन्द्र स्नातक
20. हिन्दी काव्य के निर्गुण सम्प्रदाय - पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल
21. हिन्दी सूफी काव्य की भूमिका - डॉ० रामपूजन तिवारी
22. इतिहास और आलोचना - डॉ० नामवर सिंह
23. उत्तरी भारत की संत परम्परा - परशुराम चतुर्वेदी
24. रीतिकाव्य की भूमिका - डॉ० नगेन्द्र
25. रीतिकालीन राम साहित्य - डॉ० श्री नारायण सिंह
26. मध्यकालीन हिन्दी साहित्य और हजारी प्रसाद द्विवेदी - डॉ० सुनील कुमार
विशाल पब्लिकेशन, पटना

द्वितीय सत्र

प्रश्न पत्र - 5

(छायावादोत्तर)

<u>पाठ्य पुस्तकें :-</u>

1. चाँद का मुहँ टेढ़ा है - मुक्ति बोध (अँधेरे में) +
2. आँगन के पार द्वार - अज्ञेय (असाध्य वीणा)
3. उर्वशी दिनकर (तृतीयांक)
4. संसद से सड़क तक - धूमिल-कविता, मोचीराम, पतझड़, भाषा की रात, पटकथा
5. ऋतावरी - - डॉ० रामवरण चौधरी (देव कल्प और उषाकल्प) (जानकी प्रकाशन पटना)

<u>अभिस्तावित ग्रंथ :-</u>

1. युगचेता दिनकर और उनकी उर्वशी - डॉ० राजपाल सिंह
2. उर्वशी: विचार और विश्लेषण - डॉ० वचनदेव कुमार
3. युगचारण दिनकर - डॉ० सावित्री सिंहा
4. अपने समय का सूर्य : दिनकर - डॉ० मन्मथनाथ गुप्त
5. आधुनिक कविता की प्रवृतियाँ - नंददुलारे वाजपेयी
6. आधुनिक साहित्य की प्रवृतियाँ - डॉ० नामवर सिंह
7. समकालीन काव्य यात्रा - डॉ० नंदकिशोर नवल
8. नई कविता का भाव बोध - डॉ० रामवचन राय
9. कविता के नये प्रतिमान - डॉ० नामवर सिंह
10. उर्वशी : उपलब्धि और सीमा - डॉ० विजयेन्द्र स्नातक
11. उर्वशी एक विवेचन - सं० डॉ० वचनदेव कुमार
12. समकालीन कविता का यथार्थ - डॉ० परमानन्द श्रीवास्तव
13. नागार्जुन का रचना संसार - विजय बहादुर सिंह
14. अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या - डॉ० रामस्वरूप चतुर्वेदी
15. अज्ञेय : कवि और काव्य - डॉ० राजेन्द्र प्रसाद
16. अज्ञेय साहित्य : प्रयोग और मूल्यांकन - केदार शर्मा
17. नई कविता : उदभव और विकास - डॉ० रामवचन राय
18. नई कविता - नन्ददुलारे वाजपेयी
19. अज्ञेय की काव्य - संवेदना - कमल कुमार
20. काव्य परम्परा और नई कविता - कमल कुमार
21. नई कविता की मानक कृतियाँ - डॉ० जीवन प्रकाश जोशी
22. अंधेरे में : एक विश्लेषण - डॉ० विजयपाल सिंह

23. जटिल संवेदना के कवि मुक्तिबोध - डॉ० अलोक गुप्त
24. यायावर कवि नागार्जुन - डॉ० वीरेन्द्र सिंह
25. नई कविता - डॉ० कांति सिंह
26. प्रयोगवादी काव्य - डॉ० पवन कुमार मिश्र
27. मुक्तिबोध के प्प्रतीक और बिम्ब - चंचल चौहान
28. रघुवीर सहाय की काव्यानुभूति - डॉ० अनन्त कीर्ति तिवारी
29. साठोत्तरी हिन्दी कविता - परिवर्तित दिशाएँ - विजय कुमार
30. नई कविता के प्रबंध काव्य : शिल्प और जीवन-दर्शन - उमाकांत गुप्त
31. रघुवीर सहाय का कवि-कर्म - सुरेश शर्मा
32. शमशेर बहादुर सिंह - संकलन - प्रकाशन विभाग
33. भवानी प्रसाद मिश्र - संपादक - डॉ० विजयबहादुर सिंह
34. दुष्यंत कुमार रचनाएँ और रचनाकार - ग० तु० अष्टेकर
35. शमशेर बहादुर सिंह - प्रभाकर श्रोत्रिय

द्वितीय सत्र
प्रश्न पत्र - 6
(कथा साहित्य)

<u>पाठ्य पुस्तकें :-</u>

1. गोदान - प्रेमचंद
2. शेखर एक जीवनी - भाग 1 - अज्ञेय
3. मैला आँचल - फणीश्वरनाथ रेणु
4. कहानियाँ - सं० डॉ० जीतेन्द्र वत्स राजा राधिकारमण प्रसाद, सिंह (माँ), धर्मदीर भारती (गुलकी बन्नों), अमरकांत (दोपहर का भोजन), भीष्म साहनी (अमृतसर आ गया), शिव प्रसाद सिंह (कर्मनाशा की हार), मन्नू भंडारी (रानी माँ का चबूतरा), उषा प्रियंवदा (वापसी), निशांतकेतु (माटी - टीला), (व्याख्या कहानियों से नही पूछी जाएगी ।

<u>अभिस्तावित ग्रंथ :-</u>

1. हिन्दी उपन्यास - रामदरश मिश्र
2. उपन्यास : स्वरुप और संवेदना - राजेंद्र यादव
3. प्रेमचंद : जीवन, कला और कृतित्व - हंसराज रहबर
4. प्रेमचंद - साहित्यिक विवेचन - नंददुलारे वाजपेयी
5. समकालीन हिन्दी उपन्यास - डॉ० रामविनोद सिंह
6. प्रेमचंद - सं० विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
7. प्रेमचंद की उपन्यास कला का उत्कर्ष - गोदान - डॉ० कृष्ण देव झारी
8. गोदान : संवेदना और शिल्प - डॉ० चंदेश्वर कर्ण
9. गोदान : एक पुनर्मूल्यांकन - डॉ० रामविनोद सिंह
10. गोदान : संरचनात्मक विश्लेषण - डॉ० त्रिलोक खन्ना
11. फणीश्वरनाथ रेणु - डॉ० सुरेन्द्र चौधरी
12. फणीश्वरनाथ रेणु की कथा शिल्प - डॉ० रेणु शाह
13. मैला आँचल की रचना प्रक्रिया - देवेश ठाकुर
14. हिन्दी कहानी : अंतरंग पहचान - डॉ० रामदाश मिश्र
15. हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ
16. नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति - देवीशंकर अवस्थी
17. बीस कहानियाँ : एक अध्ययन - कृष्ण भावुक
18. कुछ कहानियाँ : कुछ विचार - विश्वनाथ त्रिपाठी

19. समकालीन हिन्दी कहानी और समाजवादी चेतना - डॉ० किरण बाला
20. समकालीन कहानी का समाजशास्त्र - देवेन्द्र चौबे
21. अज्ञेय की कहानियाँ - डॉ० नंद कुमार राय
22. आंचलिकता, यथार्थवाद और फणीश्वर नाथ रेणु - डॉ० सुवास कुमार
23. संठोत्तरी हिन्दी कहानी : उपलब्धि और सीमाएँ - डॉ० जीतेन्द्र वत्स
24. संठोत्तरी हिन्दी कहानी और राजनीतिक चेतना - डॉ० जीतेन्द्र वत्स
25. हिन्दी कहानी - पुनर्मूल्यांकन - डॉ० कुसुम वाष्णे वाष्णेव
26. कथाकार अज्ञेय - डॉ० चंद्रकांत म० वन्दिवडेकर
27. कथाकार जैनेन्द्र - डॉ० बच्चन सिंह
28. उपन्यासकार हजारी प्रसाद द्विवेदी - डॉ० स्नेहलता सरेशचंद्र
29. फनीश्वरनाथ रेणु : सृजन और संदर्भ - डॉ० अशोक कुमार अलोक
30. काशीनाथ सिंह का कथा साहित्य - डॉ० रमेश जगताप

द्वितीय - सत्र

प्रश्न पत्र - 7

हिन्दी साहित्य का इतिहास (भारतेन्दु युग से अब तक)

<u>पाठ्यांश:-</u>

1. 1857 की क्रांति और सांस्कृतिक नवजागरण, भारतेन्दु और उनका मंडल, भारतेन्दुकालीन साहित्य की विशेषताएँ ।
2. महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग - 'सरस्वती' और हिन्दी नवजागरण/ द्विवेदी युग के गद्य - लेखक ।
3. छायावादी साहित्य की विशेषताएँ एवं प्रमुख छायावादी कवि
4. हिन्दी कथा साहित्य, नाटक, निबंध, समालोचना, संस्मरण, रिपोर्ताज अदि । गद्य - विधाओं का उदभव-विकास
5. प्रगतिशील आंदोलन, प्रगतिशील साहित्य की विशेषताएँ, प्रयोगवाद, नई कविता, नवगीत, आंचलिक उपन्यास, नई कहानी, साठोत्तरी साहित्य की विशेषताएँ - नाटक के नये प्रयोग, स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य की उपलब्धियाँ/ उत्तर आधुनिकतावाद ।
6. बिहार के प्रमुख साहित्यकार और उनकी रचनात्मक विशेषताएँ । (कवि पं० रामदयाल पांडेय, डॉ० जनार्दन प्रसाद झा द्विज, गोपाल सिंह नेपाली, आरसी प्रसाद सिंह, - आलोचक-नलिन विलोचन शर्मा, लक्ष्मी नारायण सुधांशु, केसरी कुमार, डॉ० सुरेन्द्र चौधरी)

<u>अभिस्तावित ग्रंथ :-</u>

1. द्वितीय महायुद्धोत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ० लक्ष्मी सागर वाश्णय
2. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ० लक्ष्मी सागर वाश्णय
3. आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास - डॉ० श्री कृष्ण लाल
4. हिन्दी साहित्य का दुश्र इतिहास - डॉ० बच्चन सिंह
5. आधुनिक साहित्य प्रवृतियाँ - डॉ० नामवर सिंह
6. दूसरी परम्परा की खोज - डॉ० नामवर सिंह
7. लोक जागरण और हिन्दी साहित्य - डॉ० रामविलास शर्मा
8. भारतेन्दु युग - डॉ० रामविलास शर्मा
9. हिन्दी साहित्य के इतिहास की समस्याएँ - डॉ० अवधेश प्रधान
10. हिन्दी नवगीत का संक्षिप्त इतिहास - डॉ० अवधेश नारायण मिश्र
11. हिन्दी साहित्य और बिहार - चार खंड, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना

द्वितीय सत्र

प्रश्न-पत्र - 8

(मूल भाषाएँ)

इस प्रश्नपत्र में मूल भाषाओँ अथवा प्रादेशिक भाषाओँ में से कोई एक लेनी होगी । प्रत्येक छात्र मूल भाषाओँ - संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश - में से कोई एक भाषा ले सकता है, किन्तु जिसने स्नातक पाठ्यक्रम में इनमे से कोई भी भाषा पढ़ी होगी वह उस भाषा को एम० ए० में नहीं ले सकेगा ।

संस्कृत

<u>पाठ्यांश :-</u>

1. रघुवंशम : कालिदास (द्वितीय सर्ग)
2. पंचतंत्र (मित्र संप्राप्ति)
3. व्याकरण -

   स्वरसंधि - दीर्घसंधि, गुणसंधि, वृद्धि, संधि, यण संधि, अयादि संधि ।

   व्यंजन संधि - अनुस्वारसंधि, श्चुत्व, ष्ठुत्व, जश्त्व ।

   विसर्ग संधि - सत्व, रुत्व, उत्व, विसर्ग लोप ।

   शब्द रूप - राम, हरि,गुरु, फल, बालिका ।

   सर्वनाम - अस्माद्, युष्मद् ।

   धातुरूप - भू पाठ्, लिख (केवल लट्, लड्, विधि, लिंड, लृट्)

   समास - अव्ययीभाव, तत्पुरुष, कर्मधारय, द्वन्द्व, द्विगु, बहुब्रीहि ।

<u>अभिस्तावित ग्रंथ :-</u>

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास - आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा मंदिर वाराणसी
2. संस्कृत कविदर्शन - भोला शंकर व्यास, चौखम्भा, वाराणसी
3. संस्कृत व्याकरण - हिवट्ने, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
4. संस्कृत व्याकरण - सुदर्शन लाल जैन, वाराणसी

द्वितीय सत्र

प्रश्न-पत्र - 8

पालि

<u>पाठ्यांश :-</u>

1. पालि जातकावली - पं० बटुकनाथ शर्मा (1 से 12 जातक तक)
2. धम्मपद - भिक्षुधर्मरक्षित (1 से 12 बग्ग तक)
3. व्याकरण - स्वर संधि - सरोलोपों सरे, परोवाचि, न देवायु-वाष्न्ने लीलता, यवा सरे, सवो न, गोरुसा वड 07 व्यंजन संधि - व्यष नेदवीधरस्सा, सरम्हादे, चतुत्थ दुतिये वण्णं, ततिव पटमा, वे वा, ए ओ न प वण्णे, 5-नामरूप पुलिंग - अस, मुनि, दंडी, भिक्षु, गो स्त्रीलिंग - लता रति, इत्थी, धेनु, वधं

   स्वर और व्यंजन परिवर्तन के सामान्य नियम ।

   शब्द रूप - बुद्ध, फल, लता, मूनी, इत्थी,

   (संज्ञा सर्वनाम) भिक्खु, गो, अन्त, अम्ह, तुम्ह, त

   कृदन्त - तब्ब, जनीय, न्त, मान, इस

   धातु रूप - भू, हस् पठ् ।

<u>अभिस्तावित ग्रंथ :-</u>

1. पालि महाव्याकरण - भिक्षु जगदीश कश्यप, बोधि महासभा सारनाथ वाराणसी
2. पालि साहित्य का इतिहास - भरत सिंह उपाध्याय, हिन्दी साहित्य सम्मलेन प्रयाग ।
3. पालि निपात - डॉ० ब्रजमोहन पाण्डेय 'नलिन'

द्वितीय सत्र

प्रश्न-पत्र - 8

प्राकृत

<u>पाठ्यांश :-</u>

1. राजशेखर - कर्पुरमंजरी (संपूर्ण)
2. गाथा सप्तशती - प्रथम 100 गाथाएँ ।
3. व्याकरण - संधि - (स्वर-संधि, व्यंजन संधि),
   ध्वनि परिवर्तन - स्वर एवं व्यंजन संबंधी परिवर्तन
   शब्द रूप - पुलिंग - पुत, वाऊ पिउर (पिउ) ।
   नपुंसक लिंग - फल, वहि, मुह, उ
   स्त्रीलिंग - माला रुई, वैणु, वूह
   सर्वनाम - युष्मद्, अस्मद, तद् (तीनों लिंग में)
   तद्वित - आलू, आल, हल्ल, उल्ल, त्त, त्तण, क, इव, मत
   कृदन्त - सूर, तुम, अ, तण, तुआण, ता ।
   धातु रूप - वट्, हस, पठ ।

<u>अभिस्तावित ग्रंथ :-</u>

1. प्राकृत प्रकाश (वररुचि) : सरयू प्रसाद अग्रवाल, ओरिएंटल बुक एजेन्सी, पूना ।
2. प्राकृत साहित्य का इतिहास - जगदीश चन्द्र जैन ।

द्वितीय सत्र

प्रश्न-पत्र - 8

अपभ्रंश

पाठ्यांश :-

1. हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योग (नामवर सिंह) कालिदास, सरहपा, कण्हपा, देवसेन, जोइंदु रामसिंह, अब्दुर्रहमान, सोमप्रभ, प्रबंध चिंतामणि, हेमचन्द्र (छंद सं० 100 तक) ।
2. अपभ्रंश भाषा एवं साहित्य के विकास का परिचय

अभिस्तावित ग्रंथ :-

1. हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योग - डॉ० नामवर सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद
2. अपभ्रंश साहित्य - हरिवंश कोछड़
3. प्राकृत अपभ्रंश साहित्य और उसका हिन्दी पर प्रभाव - राम सिंह तोमर, हिन्दी परिषद्, इलाहाबाद ।
4. अपभ्रंश भाषा का अध्ययन - वीरेन्द्र श्रीवास्तव, एस० चांद० एंड कंपनी, दिल्ली ।
5. पुराणी हिन्दी - चंद्रधर शर्मा गुलेरी, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।
6. अपभ्रंश के धार्मिक मुक्तक और हिन्दी संतकाव्य - सदानंद शाही, लोकभारती, इलाहाबाद

द्वितीय सत्र

प्रश्न-पत्र - 8

प्रादेशिक भाषाएँ

पाठ्यांश :-

मूल भाषाओँ के स्थान पर प्रादेशिक भाषाएं ली जा सकेंगी । इनमे से बंगला, मराठी, उर्दू, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ भाषाओँ में से किसी एक आधुनिक प्रान्तीय भाषा का अध्ययन अपेक्षित है । आधुनिक प्रादेशिक भाषाओँ में से केवल वही भाषा ली जा सकती है, जो परीक्षार्थी की मातृभाषा न हो ।

बंगला

पाठ्यांश :-

1. रामेर सुमति - शरद चन्द्र चट्टोपाध्याय ।
2. कथा ओ काहिनी - रवीन्द्रनाथ ठाकुर
3. साहित्य का इतिहास - बंगला साहित्येतर कथा - सुनीति कुमार चट्टोपाध्याय ।

द्वितीय सत्र
प्रश्न-पत्र - 8
उर्दू

<u>पाठ्यांश :-</u>

1. खत किताबत (दूसरी किताब), मकतबा जामिया लिमिटेड ।
2. खत किताबत (तीसरी किताब), मकतबा जामिया लिमिटेड ।
3. इस्मत चुगताई, तीन अनाड़ी - मकतबा जामिया लिमिटेड ।
4. प्रो. एहतेशाम हुसेन : उर्दू की कहानी - इदारा फरागे उर्दू, अमीर उददौला पाक, लखनऊ

<u>अनुशंसित ग्रंथ :-</u>

1. प्रो० एहतेशाम हुसैन - उर्दू साहित्य का इतिहास, अंजुमन, तरक्की-ए-उर्दू, ओन्यू हाउस, नई दिल्ली ।

द्वितीय - सत्र
प्रश्न - पत्र - 8
मराठी

<u>पाठ्यांश :-</u>

1. शांतता कोर्ट चालू आहें (नाटक) - विजय तेंदुलकर, नीलकंठ प्रकाशन, पुणे ।
2. व्यक्ति आणि वल्ली (वैयक्तिक चित्रण) - पु० ल० देशपांडे, मौज, प्रकाशन गृह मुंबई ।
3. मराठी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास - सूर्यनारायण समे
4. हिन्दी से मराठी और मराठी से हिन्दी में अनुवाद ।

<u>अनुशंसित ग्रंथ :-</u>

1. हिन्दी से मराठी स्वंयशिक्षक - म० सु० कुलकर्णी, चित्रकला प्रकाशन, पुणे ।
2. मराठी स्वयं शिक्षक - डॉ० ग० न० साठे, महाराष्ट्र राष्ट्रभाषा सभा, पुणे ।
3. आधुनिक मराठी साहित्य का प्रवृतिमूलक इतिहास - सूर्यनारायण सुमे ।
4. मराठी का आधुनिक साहित्य - मि० सी० देशपांडे
5. महाराष्ट्र सारस्वत - भावे एवं तुलपुले, पापुलर प्रकाशन, मुंबई

द्वितीय - सत्र
प्रश्न - पत्र - 8
तमिल

<u>पाठ्यांश :-</u>

1. Cirukatha ik Kalaniva by Dr. C. Chetiar Sahitya Academi, New Dehi (The First ten stories)
2. Ulagain Curinan by C. Subramaniam Amamda Niketan, Madras (The first Five Chapters)

तेलगु साहित्य के संक्षिप्त इतिहास के अन्तर्गत केवल निम्न दसयुगों तथा लेखकों के बारे में अति साधारण परिचय प्राप्त करना आवश्यक है ।

1. तेलुगु साहित्य का आदिकाल, 2. कवित्रययुगम, 3. श्रीनाथ युगमु, 4. प्रबंधयुगमु, 5. दक्षिण शुवागमु, 6. क्षिणयुगमु 7. आधुनिक युगमु, 8. नन्नय, 9. तिक्कन, 10. एर्रन, 11. श्री नायडू, 12. पोतन, 13. वेमन, 14. श्री कृष्णदेवरायेलु, 15. सुरन्न, 16. रामकृष्ण 17. विन्न्वासुरि, 18. वीरेशालिंगम 19. गुरजाड, अप्पाराव, 20. राय प्रोलू सुब्बा राव, 21. विश्वनाथ सत्यनारायण, 22. करुणत्री, 23. श्री नारायण रेड्डी, 24. दाशरथी ।

<u>अनुशंसित ग्रंथ :-</u>

1. बालशौरि रेड्डी : तेलुगु साहित्य का इतिहास - सं० लक्ष्मिरंजयम और अनु० कु० दयावन्ती, तेलुगु साहित्य का इतिहास (दोनों ग्रंथ चौखम्भा विधा भवन, वाराणसी
2. बेमुरि राधा कृष्ण : तेलुगु के आधुनिक कवि ।
3. तेलुगु स्वयं शिक्षक (दोनों ग्रंथ दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास)
4. Tamil Sahitya aur Sanskrit - Awadh Nandan, Bihar Rashtra Bhasha Samiti, Patna
5. ABC of Tamil - Parri Nilayam, Madras - 1
6. Tamil Course for European School kerslake and Aiver, C. I. S. Book
7. Tamil Sahitya ka Itihas by Puranam Somaundaram.

मगध विश्वविधालय

एम० ए० (हिन्दी) द्वितीय वर्ष का सेमेस्टर पद्दति पर आधारित पाठ्यक्रम

(सत्र 2011 - 12 से प्रारंभ)

एम० ए० हिन्दी का द्वितीय वर्ष का पाठ्यक्रम दो सेमेस्टर में विभाजित किया गया है । प्रत्येक सेमेस्टर में चार पाठ्यक्रम है यानि दो सेमेस्टर में कुल 8 पाठ्यक्रम है । प्रत्येक पाठ्यक्रम का प्रश्न पत्र 100 अंको का होगा, जिसमे 70 अंक सेमेस्टर के अंत में होने वाली लिखित परीक्षा के लिए निर्धारित है और 30 अंक मौखिकी / संगोष्ठी / ट्युटोरिअल के लिए (विभागीय मूल्यांकन) निर्धारित है । लिखित परीक्षा तीन घंटो की होगी ।

16 वाँ प्रश्नपत्र विशेष अध्ययन से सम्बंधित है । शेष सभी प्रश्न पत्र बीज पाठ्यक्रम (कोर) है ।

16 वें प्रश्नपत्र में किसी एक साहित्यकार (जायसी/ सूर/ तुलसी/ प्रेमचंद/ प्रसाद/ निराला/ रामचंद्र शुक्ल/ हजारी प्रसाद द्विवेदी/ दिनकर/ अज्ञेय/ मुक्तिबोध/ यशपाल/ जैनेन्द्र/ अमृतलाल नागर का अध्ययन अपेक्षित है ।

अथवा

किसी साहित्य की प्रवृति विशेष, यथा-संत काव्य/ आधुनिक हिन्दी साहित्य, (1919 - 1947) । स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य । मगध प्रक्षेत्र का साहित्य में से एक का अध्ययन अपेक्षित है ।

अथवा

हिन्दी भाषा शिक्षण/ अनुवाद: कला/ बोलीविज्ञान एवं सर्वेक्षण पद्दति/ पाठालोचन/ कोश विज्ञान/, दृश्य श्रव्य माध्यम, हिन्दी पत्रकारिता/ हिन्दी नाटक और रंगमंच । लोकसाहित्य/ जनपदीय भाषा और साहित्य-मगही में से किसी एक का चयन किया जा सकता है ।

16 वें प्रश्नपत्र में विषय का चयन शिक्षकों के उपलब्ध होने पर ही विभागाध्यक्ष की अनुमति से किया जा सकेगा ।

नोट :- जिन प्रश्नपत्रों में रचनात्मक साहित्य नहीं पढ़ना है, उनमे से चार लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे ।

एम० ए० हिन्दी (द्वितीय वर्ष)

तृतीय सत्र

प्रश्न पत्र - 9

(आदिकालीन एवं भक्तिकालीन काव्य)

पाठ्य पुस्तकें :-

1. पृथ्वीराज रासो - चंदवरदाई (सं० हजारी प्रसाद द्विवेदी एवं डॉ० नामवर सिंह) (केवल पद्मावती समय)
2. विधापति पदावली - सं० रामवृक्ष बेनीपुरी (पद सं० 1, 2, 3, 16, 19, 35, 36, 40, 54, 160, 175, 179, 197, 200 (कुल 14 पद)
3. कबीर ग्रंथावली - सं० डॉ० श्यामसुंदर दास
   1. साखी :
      - सुमिरन कौ अंग - 17, 27, 32
      - विरह कौ अंग - 11, 30, 35
      - ज्ञान विरह कौ अंग - 4, 10
      - परचा कौ अंग - 1, 11, 15, 25, 23, 41, 44
      - निहकर्मी पवित्रता कौ अंग - 2, 16
      - चितावणी कौ अंग - 10, 13, 32, 60
      - मन कौ अंग - 8, 17, 30
      - सुरति मारग कौ अंग - 4, 7
      - माया कौ अंग - 4
   2. पद - सं० 8, 40, 57, 67, 72 (कुल 5 पद) \
4. जायसी ग्रंथावली - सं० रामचंद्र शुक्ल (केवल नागमती वियोग खंड)
5. भ्रमरगीत सार - सूरदास (सं० आचार्य रामचंद्र शुक्ल)

   पद सं० 1, 2, 7, 8, 9, 10, 13, 14, 16, 20, 21, 23, 24, 25, 27, 28, 29, 33, 34, 35, (कुल 20 पद)
6. रामचरित मानस - गोस्वामी तुलसी दास (गीता प्रेस संस्करण)

   बाल कांड - दोहा सं० 43 तक

   उत्तर कांड- ज्ञान भक्ति प्रकरण

अभिस्तावित ग्रंथ :-

1. चंदवरदाई और उनका काव्य - डॉ० विपिन बिहारी त्रिवेदी
2. विधापति काव्य लोक - सं० नगेन्द्र नाथ दास
3. विधापति - डॉ० शिव प्रसाद सिंह
4. विधापति - डॉ० जनार्दन मिश्र
5. कबीर - डॉ० हजारी प्रसाद द्विवेदी
6. कबीर साहित्य की परख - पं० परशुराम चतुर्वेदी
7. कबीर साहित्य और साधना - डॉ० वासुदेव सिंह
8. कबीर और कबीर पंथ - डॉ० केदार नाथ द्विवेदी
9. पद्मावत का काव्य सौन्दर्य - डॉ० शिव सहाय पाठक
10. जायसी - डॉ० रामपूजन तिवारी
11. पद्मावत : नव मूल्यांकन - डॉ० राजदेव सिंह
12. मध्यकालीन स्वच्छंद काव्य धारा - डॉ-० मनोहरलाल गौड़
13. पृथ्वीराज रासो : इतिहास का काव्य - राजमल बोरा
14. कबीर की प्रगतिशील चेतना - डॉ० जगदीश्वरप्रसाद
15. सूरदास - आचार्य नंद दुलारे वाजपेयी
16. सूरदास - संपादक - डॉ० हरवंश लाल शर्मा
17. तुलसी - डॉ० उदयभानु सिंह
18. तुलसीदास - डॉ० वासुदेव सिंह

तृतीय सत्र
प्रश्न पत्र - 10
(भारतीय काव्य शास्त्र)

पाठ्यांश :-

1. काव्य का लक्षण, काव्य हेतु, काव्य-प्रयोजन ।
2. रस - सिद्धांत - रस की अवधारणा, रस्निष्पत्ति, साधारणीकरण
3. अलंकार सिद्धांत - अलंकार की अवधारणा, वक्रोक्ति का वर्गीकरण वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद
4. औचित्य सिद्धांत - औचित्य की अवधारणा, औचित्य की महत्ता
5. ध्वनि सिद्धांत - ध्वनि की अवधारणा, ध्वनि का वर्गीकरण
6. रीति सिद्धांत - रीति की अवधारणा, रीति काव्य का वर्गीकरण

अभिस्तावित ग्रंथ :-

1. भारतीय आलोचना शास्त्र - डॉ० राजवंश सहाय 'हीरा'
2. काव्य शास्त्र की रुपरेखा - डॉ० श्यामनंदन शास्त्री
3. काव्य में उदात्त तत्व - डॉ० नगेन्द्र
4. भारतीय काव्य सिद्धांत : औचित्य - डॉ० कृष्णदेव झारी
5. रस सिद्धांत : स्वरुप विश्लेषण - डॉ० आनन्द प्रकाश दीक्षित
6. अलंकार धारणा : विकास और विश्लेषण - डॉ० शोभा कान्त मिश्र
7. अलंकार रीति और वक्रोक्ति - डॉ० सत्यदेव चौधरी
8. भारतीय काव्य शास्त्र की परम्परा - सं० डॉ० नगेन्द्र
9. रस प्रक्रिया और बोध - डॉ० रूद्र प्रताप सिंह
10. भारतीय साहित्य शास्त्र - आचार्य बलदेव उपाध्याय
11. काव्य-दर्पण - पं० राम दहिन मिश्र
12. हिन्दी काव्य शास्त्र की इतिहास - डॉ० भागीरथ मिश्र
13. रस मीमांसा - डॉ० नगेन्द्र
14. रस सिद्धांत - आचार्य रामचंद्र शुक्ल

15. भारतीय काव्य शास्त्र की भूमिका - डॉ० जितराम पाठक
16. काव्य सिद्धांत - डॉ० रामअवध द्विवेदी
17. भारतीय काव्य शास्त्र - डॉ० योगेन्द्र प्रताप सिंह
18. काव्य के तत्व - आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा
19. रस-सिद्धांत का पुनर्विवेचन - डॉ० डॉ० गणपति चंद्र गुप्त
20. काव्य शास्त्र के मानदण्ड - डॉ० रामनिवास गुप्त
21. रस और रस-परम्परा - वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी
22. काव्य शास्त्र - डॉ० भागीरथ मिश्र
23. हिन्दी काव्य शास्त्र - सुरेश चन्द्र गुप्त
24. भारतीय काव्य सिद्धांत - सं० नगेन्द्र एवं बाली
25. सौन्दर्य काव्य शास्त्रीय आयाम - डॉ० अमरनाथ सिंह
26. भारतीय काव्य शास्त्र के नये क्षितिज - डॉ० राममूर्ति त्रिपाठी
27. आधुनिक काव्य शास्त्र - शेषेन्द्र शर्मा
28. छंद बोध और व्याख्या - विपिन बिहारी शरण द्विवेदी
29. अलंकार मंजूषा : बोध और व्याख्या - विपिन बिहारी शरण द्विवेदी

तृतीय पत्र
प्रश्न पत्र - 11
(प्रयोजनमूलक हिन्दी)

मातृभाषा एवं अन्य भाषा के रूप में हिन्दी

सम्पर्क भाषा, राजभाषा के रूप में हिन्दी, बोलचाल की सामान्य हिन्दी मानक हिन्दी और साहित्यिक हिन्दी, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति ।

1. **हिन्दी भाषा की सामाजिक शैलियाँ**

   हिन्दी, उर्दू और हिन्दुस्तानी, मौखिक और लिखित हिन्दी, हिन्दी भाषा का उदभव और विकाश, हिन्दी का मानकीकरण

2. **हिन्दी के प्रयोग - क्षेत्र -:**

   भाषा की प्रयुक्ति की संकल्पना, वार्ता क्षेत्र, प्रकार और वार्ता, शैली के आधार पर हिन्दी की प्रमुख प्रवृतियाँ क्षेत्र, साहित्यिक हिन्दी बनाम प्रयोजनमूलक हिंदिकी प्रयोजन एवं उसकी उपयोगिता ।

3. **प्रयोजनमूलक हिन्दी : प्रमुख प्रकार**

   कार्यालयी हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण, वैज्ञानिक हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण, व्रित्तिपरक हिन्दी - लोहार, कुम्हार, सोनार, आदि से संबंधित प्रयुक्तियां, व्यावसायिक हिन्दी और उसके लक्षण, संचार माध्यम (आकाशवाणी, दूरदर्शन, चलचित्र) की हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण, विज्ञान की हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण ।

4. **भाषा व्यवहार :-**

   सरकारी पत्राचार, टिप्पणी तथा मसौदा - लेखन, सरकारी एवं व्यावसायिक हिन्दी, सार - लेखन, हिन्दी में पारिभाषिक शब्द - निर्माण की प्रव्रित्तियां, वैज्ञानिक शब्दावली, व्रित्तिपरक लेखन ।

अभिस्तावित ग्रंथ :-

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी - डॉ० विनोद गोदरे ।

2. प्रयोगात्मक और प्रयोजनमूलक हिन्दी - डॉ० रामप्रकाश ।
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धांत और व्यवहार - डॉ० रघुनन्दन प्रसाद शर्मा
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी - डॉ० दंगल झाल्टे ।
5. कार्यालयी कार्यबोध - हरिबाबू बंसल ।
6. कामकाजी हिन्दी - डॉ० कैलाशचन्द्र भाटिया
7. हिन्दी, उर्दू और हिन्दुस्तानी - पदम् सिंह शर्मा
8. प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धांत और प्रयुक्ति - डॉ० जितेन्द्र वत्स, निर्मल पब्लिकाशन्स, कबीरनगर, शाहदरा, दिल्ली ।
9. व्यावहारिक हिन्दी - कृष्ण विकल
10. हिन्दी का सामाजिक संदर्भ - डॉ० रबीन्द्रनाथ श्रीवास्तव एवं रमानाथ सहाय केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा ।
11. राष्ट्रभाषा और हिन्दी - डॉ० राजेंद्र मोहन भटनागर केंद्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा ।
12. भाषा आन्दोलन - सेठ गोविन्द दास, हिन्दी साहित्य सम्मलेन, प्रयाग ।
13. हिन्दी भाषा की सामाजिक भूमिका - डॉ० भोलानाथ तिवारी एवं मुकुल प्रियदर्शिनी, दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास ।
14. सरकारी कार्यालयों में हिन्दी का प्रयोग - गोपीनाथ श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
15. प्रयोजन मूलक हिन्दी - डॉ० रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा ।
16. प्रशासनिक हिन्दी निपुणता - हरिबाबू बंसल, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली ।
17. आवेदन प्रारूप - डॉ० एस० एन० चतुर्वेद, अक्षर प्रकाशन, दिल्ली ।

तृतीय सत्र
प्रश्न पत्र - 12
(आधुनिक भारतीय साहित्य)

पाठ्य पुस्तकें :-

1. संस्कार = यू० आर० अनंतमूर्ति
2. अक्करमाशी - शरण कुमार लिंबाले
3. घासीराम कोतवाल (मराठी नाटक) - विजय तेंदुलकर
4. बदलते रंग - सुचित्रा भट्टाचार्य (बंगला उपन्यास)
5. वर्षा की सुबह (उड़िया काव्य) - सीताराम महापात्र आरंभिक (5 कविताएँ)

उपर्युक्त सभी मूल से हिन्दी में अनूदित कृतियाँ ही पाठ्यक्रम में निर्धारित है । इनसे व्याख्या नही पूछी जाएगी। ।

इस प्रश्न पत्र में भारतीय साहित्य और हिन्दीतर साहित्य का परिचयात्मक अध्ययन अपेक्षित है ।

अभिस्तावित ग्रंथ :-

1. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ ० डॉ० रामविलास शर्मा
2. भारतीय साहित्य शास्त्र - गणेश त्रयम्बक देशपान्डे
3. भारतीय संस्कृति - शिवदत्त ज्ञानी
4. साहित्य का समाजशास्त्रीय चिन्तन - संपा० डॉ० निर्मल जैन
5. संस्कृति के चार अध्याय - दिनकर
6. आधुनिक भारतीय चिन्तन - वी० एस०-नरवणे
7. बंगला और उनका साहित्य - हंस कुमार तिवारी
8. बंगला साहित्य का इतिहास - मन्मथनाथ गुप्त .

9. हिन्दी बंगला अभिधान- गोपालचंद वेदांत शास्त्री

10. भारतीय साहित्य : विविध परिदृश्य - डॉ० विजय राघव रेड्डी

11. भारतीय साहित्य - - भोला शंकर व्यास

12. भारतीय भाषाओँ के साहित्य का संक्षिप्त इतिहास - ककेन्द्रीय हिन्दी निदेशालय

13. भारतीय कविता में राष्ट्रीय चेतना - केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय

14. भारतीय साहित्य की भूमिका - रामविलास शर्मा

15. प्राचीन भारतीय साहित्य मीमांस - अशोक केलकर

16. भारतीय साहित्य में रामकथा - संपादक - कुमार विमल

17. भारतीय भाषाएँ और राष्ट्रीय अस्मिता - सं० मुकुंद द्विवेदी

चतुर्थ सत्र
प्रश्न पत्र - 13
(रीति काव्य)

पाठ्य पुस्तकें :-

1. रामचन्द्रिका - केशवदास
   केशव कौमुदी - सं० - लाला भगवान दीन (11 वाँ प्रकाश-छंद सं० 1 से 15 और 12 वाँ प्रकाश छंद सं० 1 से 15)
2. बिहारी - सं० आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र ।
   दोहा सं० - 1 से 30, 40 से 50, 107, 119, 270, 274, 395, 612, 659, 694, 708, 711 (कुल सं० 50)
3. धनानंद कवित्त (द्वितीय शतक) - सं० आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र ।
   1 से 17, 19, 20, 21 (कुल 20 छंद)
4. उद्धवशतक - रत्नाकर - प्रारंभ से 20 (कुल 20 छंद)

अभिस्तावित ग्रंथ :-

1. केशव की काव्य चेतना - डॉ० विजयपाल सिंह
2. केशव की काव्य कला - डॉ० शंकर बसंत मुद्गल
3. केशव और उनका साहित्य - डॉ० विजयपाल सिंह
4. केशव का आचार्यत्व - डॉ० विजयपाल सिंह
5. देव और बिहारी - पं० कृष्ण बिहारी मिश्र
6. बिहारी का नया मूल्यांकन - डॉ० बच्चन सिंह
7. बिहारी विभूति - डॉ० रामकुमार मिश्र
8. बिहारी की वाग्विभूती - आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
9. बिहारी - आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

10. बिहारी वैभव - डॉ० विजयपाल सिंह

11. रीति साहित्य - डॉ० बच्चन सिंह

12. मध्यकालीन स्वच्छंद काव्य धरा - डॉ० मनोहरलाल गौड़

13. रीति साहित्य - डॉ० भागीरथ मिश्र

चतुर्थ सत्र
प्रश्न पत्र - 14
(पाश्चात्य साहित्य-सिद्धांत)

पाठ्यांश :-

1. प्लेटो - काव्य सिद्धांत - काव्य पर आरोप ।
2. अरस्तु - अनुकरण सिद्धांत, त्रासदी सिद्धांत ।
3. लौंजाइनस - उदात्त की अवधारणा ।
4. वर्ड्सवर्थ - काव्य भाषा का सिद्धांत ।
5. कॉलरिज - कल्पना और फैन्टेसी ।
6. क्रोचे - अभिव्यंजनावाद ।
7. मैथ्यू अर्नल्ड - आलोचना का स्वरुप और उसके प्रकार्य ।
8. इलियट - परम्परा और वैयक्तिकता-निवैयक्तिता का सिद्धांत ।
9. रिचर्ड्स - मूल्य तथा सम्प्रेषण सिद्धांत ।
10. संरचनावाद, विखंडनवाद, उत्तर आधुनिकतावाद, शैली विज्ञान

अभिस्तावित ग्रंथ:-

1. पाश्चात्य साहित्यालोचन के सिद्धांत - डॉ० लीलाधर गुप्त
2. पाश्चात्य समीक्षा दर्शन - डॉ० जगदीश चन्द्र जैन
3. पाश्चात्य काव्य शास्त्र के सिद्धांत - डॉ० शान्ति स्वरुप गुप्त
4. अरस्तू का काव्यशास्त्र - डॉ० नगेन्द्र
5. काव्य में अभिव्यंजनावाद - डॉ० लक्ष्मी नारायण सुधांशु
6. पाश्चात्य काव्य शास्त्र : सिद्धांत और वाद - प्रधान सं० डॉ० नगेन्द्र
7. पाश्चात्य काव्य शास्त्र : सिद्धांत और वाद - डॉ० भागीरथ मिश्र
8. पाश्चात्य काव्य शास्त्र - डॉ० विजय पाल सिंह
9. पाश्चात्य काव्य शास्त्र के सिद्धांत - डॉ० मैथिली प्रसाद भरद्वाज

10. वर्ड्सवर्थ और कोर्लारिज समीक्षा - सिद्धात - डॉ० विक्रमादित्य राय

11. आलोचक मैथ्यू अर्नाल्ड - डॉ० राम सेवक सिंह

12. टी० एस इलियट के आलोचना सिद्धांत - डॉ० शिवमूर्ति पाण्डेय

13. डॉ० सैमुअल जानसन : समीक्षा और सिद्ध्नत - डॉ० रामचंद्र प्रसाद

14. पाश्चात्य समीक्षा की रूप रेखा - डॉ० प्रताप नारायण टंडन

15. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा

16. पश्चिमी आलोचना - डॉ० लक्ष्मीसागर वाष्णेय

17. रिचर्ड्स के आलोचना सिद्धांत - डॉ० बमशंभूदत्त झा

18. पाश्चात्य काव्यशास्त्र की भूमिका - डॉ० जितराम पाठक

19. पाश्चात्य समीक्षा सिद्धांत और वाद - सत्यदेव मिश्र

20. व्यावहारिक समीक्षा : सिद्धांत और विनियोग - डॉ० पूर्णमासी राय

चतुर्थ सत्र
प्रश्न पत्र - 15
हिन्दी समीक्षा

पाठ्यांश :-

आचार्य राम्चंद्र्शुक्ल, डॉ० हजारी प्रसाद द्विवेदी, आचार्य नंददुलारे वाजपेयी, डॉ० लक्ष्मीनारायण सुधांशु, डॉ० रामविलास शर्मा, आचार्य नलिन विलोचन शर्मा, डॉ० नामवर सिंह की आलोचना का परिशीलन, छायावादी कवियाँ की समीक्षा, अज्ञेय, मुक्तिबोध के साहित्य - चिंतन का अध्ययन

अभिस्तावित ग्रंथ :-

1. आधुनिक साहित्य शास्त्र के तत्व - डॉ० अवधेश्वर 'अरुण' ।
2. हिन्दी समीक्षा सीमाएँ और संभावनाएँ - डॉ० रामविनोद सिंह ।
3. हिन्दी समीक्षा - डॉ० विश्वनाथ त्रिपाठी ।
4. हिन्दी आलोचना के बीज शब्द - डॉ० बच्चन सिंह ।
5. भारतीय समीक्षा - डॉ० नगेन्द्र ।
6. भारतीय समीक्षा सिद्धांत - डॉ० सूर्य नरायण द्विवेदी ।
7. समीक्षा सिद्धांत - डॉ० राम प्रकाश ।
8. साहित्यालोचन - डॉ० बलवीर कुंदरा ।
9. साहित्य और समीक्षा - बाबू गुलाब राय ।
10. साहित्य समीक्षा और माकर्सवाद - डॉ० कुँवरपाल सिंह ।
11. माकर्सवादी साहित्य चिंतन - इतिहास तथा सिद्धांत - डॉ० शिव कुमार मिश्रा
12. हिन्दी आलोचना का विकास - डॉ० नन्दकिशोर नवल ।
13. हिन्दी आलोचना के आधार स्तम्भ - डॉ० सुरेश चन्द्र गुप्त ।
14. समकालीन हिन्दी आलोचक और आलोचना - डॉ० रामरक्षा मिश्र ।
15. आलोचक और आलोचना - डॉ० बच्चन सिंह ।
16. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना - राम विलास शर्मा ।
17. आधुनिक हिन्दी आलोचना संदर्भ एवं दृष्टि - डॉ० रामचंद्र तिवारी ।

18. आलोचना की नई तलाश - डॉ० राघव प्रसाद ।
19. प्रगतिशील आलोचना - रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव ।
20. नई समीक्षा : नए संदर्भ - डॉ० नगेन्द्र ।
21. हिन्दी आलोचना और आचार्य शुक्ल की काव्य दृष्टि - डॉ० नगेन्द्र ।
22. शुक्लोत्तर हिन्दी समीक्षा - सं० - डॉ० वासुदेव नंदन प्रसाद ।
23. हिन्दी आलोचना : बीसवीं शताब्दी - डॉ० निर्मला जैन ।

चतुर्थ सत्र
प्रश्न पत्र - 16
(विशेष अध्ययन)

ध्यातव्य - इस प्रश्न पत्र से निम्नलिखित विषयों में से किसी एक का चयन विभागाध्यक्ष की अनुमति से होगा ।

क. साहित्यकार विशेष

जायसी, सूर, तुलसी, प्रेमचंद प्रसाद, निराला, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, दिनकर, अज्ञेय, मुक्तिबोध, नागार्जुन, यशपाल, जैनेन्द्र, अमृतलाल नागर

ख. साहित्य प्रवृति विशेष -

संत काव्य, आधुनिक हिन्दी साहित्य 1919 - 1947, स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य, मगध प्रक्षेत्र का साहित्य ।

ग. भाषापरक एवं विविध -

हिन्दी भाषा शिक्षण, अनुवाद कलम बोली विज्ञान एवं सर्वेक्षण पद्दति, हिन्दी पत्रकारिता, हिन्दी नाटक और रंगमंच, लोक साहित्य, पाठालोचन, कोश विज्ञान, दृश्यश्रव्य माध्यम, जनपदीय भाषा और साहित्य - मगही

चतुर्थ सत्र
प्रश्न पत्र - 16
(विशेष अध्ययन)

पाठ्यांश:-

1. पद्मावत - (मानसरोदक खंड, सिंहल द्वीप खंड)
2. अखरावट - (सम्पूर्ण)
3. आखरी कलाम - (सम्पूर्ण)
4. सूफी काव्यधारा का विकास - (केवल आलोचनात्मक प्रश्न)

अभिस्तावित ग्रंथ :-

1. सूफीमत साधना और सहित्य - डॉ० रामपूजन तिवारी
2. तसव्वुफ अथवा सूफी मत - पं० चन्द्रबली पाण्डेय
3. हिन्दी सूफी कवि और काव्य - डॉ० सरला शुक्ल

चतुर्थ सत्र
प्रश्न पत्र - 16
(विशेष अध्ययन)
वर्ग - 'क'
सूर

पाठ्यांश :-

1. **सूरसागर (सटीक) -** सं० - डॉ० धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन, प्रा० लि० इलाहाबाद

क. विनय के पद - 1, 2, 7, 16, 18, 19, 23, 24, 25, 27, 32, 35, 37, 49, 42
ख. गोकुल लीला, पद, - 5, 6, 10, 18, 26
ग. वृन्दावन लीला पद - 8, 13, 14, 38, 42, 47, 86, 91, 106, 121, 136, 145
घ. मथुरा गमन पद - 10, 37, 43, 58, 59, 61, 62, 63, 64, 68, 75, 76, 78, 80, 82
ड. उद्धव संदेश, पद - 41, 42, 44, 45, 48, 49, 55, 62, 65, 69, 72, 76, 90, 95, 101, 102, 103, 109, 120, 125.

2. **साहित्य लहरी -** सं० डॉ० मनमोहन गौतम - रीगल बुक डिपो, दिल्ली, प्रारंभ के 20 पद

<u>अभिस्तावित ग्रंथ :-</u>

1. सूरदास - आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
2. सूर-साहित्य-दर्पण - श्री जगन्नाथ राय शर्मा
3. सूरदास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
4. भारतीय साधना और सूर साहित्य - डॉ० मुंशीराम शर्मा
5. अष्टछाप और वल्लभ सम्प्रदाय - डॉ० दीन दयाल गुप्त
6. हिन्दी के कृष्ण भक्ति काव्य में मधुर भाव की उपासना - डॉ० पूर्णमासी राय
7. सूर की काव्य चेतना : संपादक - डॉ० रत्नाकर पाण्डेय
8. सूर साहित्य का छंद शास्त्रीय अध्ययन - डॉ० गौरी शंकर मिश्र

9. सूर साहित्य में पुष्टिमार्गी सेवा भावना - डॉ० धर्मनारायण ओझा

10. कूट काव्य का विकास - डॉ० रामधन शर्मा

11. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य - मैनेजर पाण्डेय

12. सूरदास : संपादक - डॉ० हरवंश लाल शर्मा

13. सूर साहित्य में लोक संस्कृति -आधा प्रसाद त्रिपाठी

14. सूर की मौलिकता - डॉ० वेद प्रकाश शास्त्री

चतुर्थ सत्र
प्रश्न पत्र - 16
(विशेष अध्ययन)
वर्ग - 'क'
तुलसीदास

पाठ्यांश :-

1. रामचरितमानस - अयोध्या कांड
2. कवितावली - सुन्दर कांड (पद सं० 3 से 10)
3. विनय पत्रिका - पद सं०- 1, 3, 4, 5, 17, 30, 36, 41, 45, 72, 73, 76, 78, 85, 88, 89, 90, 94, 97, 100, 101, 102, 103, 104 कुल 25 पद)

अभिस्तावित ग्रंथ :-

1. तुलसीदास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. गोसाई तुलसीदास - आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
3. गोस्वामी तुलसीदास - बाबू शिवनंदन सहाय
4. तुलसीदास - डॉ० माता प्रसाद गुप्त
5. तुलसी ग्रंथावली - सं० सीताराम चतुर्वेदी
6. तुलसी पूर्व राम साहित्य - डॉ० अमरपाल सिंह
7. तुलसीदासोत्तर हिन्दी रामकाव्य - डॉ० रामलखण पाण्डेय
8. मानस दर्शन - डॉ० श्री कृष्णलाल
9. मानस पियूष - अंजनी नन्दन शरण
10. रामकथा - फादर कामिल बुल्के
11. रामकथा के पात्र - डॉ० भ० ह० राजूरकर
12. तुलसीदास और उनका युग - राजपति दीक्षित

13. तुलसी काव्य मीमांसा - उदयभानु सिंह

14. तुलसी भूषण - डॉ० पूर्णमासी राय

15. भारतीय भक्ति दर्शन में कृपा तत्व - डॉ० राजदेव शर्मा

16. हिन्दी हनुमत्काव्य का उदभव और विकास - डॉ० देवदत्त राय

17. देह दृष्ट्वा तु दासोहम - डॉ० देवदत्त राय

18. तुलसीदास की भाषा - डॉ० देवकीनंदन श्रीवास्तव

19. रामचरित मानस में अलंकार योजना - डॉ० वचनदेव कुमार

चतुर्थ सत्र
प्रश्न पत्र - 16
(विशेष अध्ययन)
वर्ग - 'क'
प्रेमचंद

<u>पाठ्यांश :-</u>

उपन्यास - 1. सेवासदन, 2.- प्रेमाश्रम, 3. - रंगभूमि, 4. - कर्मभूमि

नाटक - कर्बला ।

आलोचना - साहित्य का उद्देश्य ।

मानसरोवर - कफन, पूस की रात, शतरंज के खिलाडी, नशा, सवासेर गेहूँ, सदगति, मनोवृत्ति, ठाकुर का कुआँ, रामलीला, पंचपरमेश्वर, ईदगाह, लाटरी, दूध का दाम, दो बैलों की कथा

अभिस्तावित ग्रंथ:-

1. प्रेमचंद : घर में - शिवरानी देवी ।
2. प्रेमचंद : एक विवेचन - इंद्रनाथ मदान ।
3. प्रेमचंद और उनका युग - रामविलास शर्मा ।
4. प्रेमचंद : कलम का सिपाही - अमृतराय ।
5. प्रेमचंद - मदनगोपाल ।
6. प्रेमचंद : जीवन, कला एवं कृतित्व - हंसराज रहबर ।
7. प्रेमचंद : साहित्यिक विवेचन - नंददुलारे वाजपेयी ।
8. कथाकार प्रेमचंद - मन्मथनाथ गुप्त ।
9. प्रेमचंद : एक अध्ययन - राजेश्वर गुरु ।
10. प्रेमचंद की उपन्यास कला - जनार्दन प्रसाद राय ।

11. प्रेमचंद एक भारतीय किसान - रामवृक्ष ।

12. प्रेमचंद - गंगा प्रसाद विमल ।

13. प्रेमचंद के साहित्य सिद्धांत - नरेन्द्र कोहली ।

14. प्रेमचंद - एक कला व्यक्तित्व - जैनेन्द्र

15. प्रेमचंद स्मृति - सं० अमृतराय ।

16. प्रेमचंद : चिंतन और कला - सं० इंद्रनाथ मदान ।

17. प्रेमचंद और गोर्की - श्रो मधु, प्रगति प्रकाशन, मास्को ।

18. हिन्दी उपन्यास : विशेषत: प्रेमचंद - नलिन विलोचन शर्मा

चतुर्थ सत्र
प्रश्न पत्र - 16
(विशेष अध्ययन)
वर्ग - 'क'
जयशंकर प्रसाद

पाठ्यांश :-

1. आँसू (संपूर्ण)
2. लहर - (प्रलय की छाया, अशोक की चिंता, पेशोला की प्रतिध्वनि, शेरसिंह का शस्त्र-समर्पण)
3. अजातसत्रु
4. जनमेजय का नागयज्ञ
5. कामना
6. ध्रुवस्वामिनी
7. कंकाल
8. तितली
9. कहानी : भिखारिन, प्रतिध्वनि, चुड़ीवाली, देवदासी, बिसाती, आँधी, मधुआ, बेडी, नीरा, ब्रत्भंग, गुंडा, विरामचिहन, सलीम, सल्वती, देवरथ
10. काव्य कला तथा अन्य निबंध

अभिस्तावित ग्रंथ :-

1. जयशंकर प्रसाद - आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
2. नया साहित्य : नये प्रश्न: आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी, मैकमिलन, नई दिल्ली
3. जयशंकर प्रसाद : वस्तु और कला - डॉ० रामेश्वर खण्डेलवाल
4. प्रसाद और उनका साहित्य - विनोद शंकर व्यास
5. प्रसाद का काव्य - डॉ० प्रेमशंकर, भारती भंडार, इलाहाबाद
6. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन - डॉ० जगन्नाथ प्रसाद शर्मा

7. प्रसाद का जीवन और साहित्य - डॉ० रामरतन भटनागर

8. हिन्दी नाटक - डॉ० बच्चन सिंह

9. प्रसाद का गद्य साहित्य - डॉ० राजमणि शर्मा

10. प्रसाद : दुखांत नाटक - रामकृष्ण शुक्ल श्रीमुख

11. नाटक के रंगमंचीय प्रतिमान - डॉ० वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी, जगतराम एंड संस, दिल्ली

चतुर्थ सत्र
प्रश्न पत्र - 16
(विशेष अध्ययन)
वर्ग - 'क'
निराला

पाठ्यांश :-

काव्य - 1-अनामिका, 2-गीतिका 3- तुलसीदास 4-नए पत्ते ।

कथासाहित्य - 1 - बिल्लेसुर बकरिहा, 2- कुल्ली भाट 3- चतुरी चमार, 4-देवी

निबंध - प्रबंध - प्रतिमा

अभिस्तावित ग्रंथ -

1. निराला की साहित्य साधना-भाग - 1, 2, 3, - डॉ० रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. निराला एक आत्महन्ता आस्था - दूधनाथ सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. क्रांतिकारी कवि निराला - डॉ० बच्चन सिंह
4. निराला के पत्र - जानकी वल्लभ शास्त्री
5. महाकवि निराला - आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
6. निराला - डॉ० परमानंद श्रीवास्तव, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
7. छायावाद - डॉ० नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
8. नवजागरण और छायावाद - डॉ० महेन्द्रनाथ राय, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
9. भारतीय नवोत्थान और निराला - डॉ० महेन्द्रनाथ राय, संजय बुक सेन्टर, वाराणसी
10. रचना प्रक्रिया और निराला - डॉ० शिवकरण सिंह

चतुर्थ सत्र

प्रश्न पत्र - 16

(विशेष अध्ययन)

वर्ग - 'क'

रामचन्द्र शुक्ल

पाठ्य ग्रंथ :-

1. चिंतामणि भाग - 1, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. चिंतामणि भाग - 2, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
3. चिंतामणि भाग - 3, सं० डॉ० नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. रस मीमांसा - सं० विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

सुचना - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की इतिहास दृष्टि पर भी प्रश्न पुचा जायेगा ।

अभिस्तावित ग्रंथ :-

1. रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना - डॉ० राम विलास शर्मा
2. लोक जागरण और रामचन्द्र शुक्ल - डॉ० राम विलास शर्मा
3. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल - डॉ० रामचन्द्र तिवारी

चतुर्थ सत्र

प्रश्न पत्र - 16

(विशेष अध्ययन)

वर्ग - 'क'

आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

पाठ्यांश :-

उपन्यास - बाणभट्ट की आत्मकथा, चारुचन्द्र लेख, पुनर्नवा, अनामदास का पोथा, मेघदूत एक पुराणी कहानी

निबंध - अशोक के फूल, कुटज

समीक्षा - कबीर, सूर साहित्य

इतिहास - हिन्दी साहित्य की भूमिका, हिन्दी साहित्य का आदिकाल

अभिस्तावित ग्रंथ :-

1. शान्ति निकेतन से शिवालिक - सं० डॉ० शिवप्रसाद सिंह ।
2. दूसरी परम्परा की खोज - डॉ० नामवर सिंह ।
3. हजारी प्रसाद द्विवेदी - सं० विश्वनाथ त्रिपाठी ।
4. मध्यकालीन हिन्दी साहित्य और हजारी प्रसाद द्विवेदी - डॉ० सुनील कुमार, विशाल पब्लिकेशन, पटना
5. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का इतिहास - दर्शन-डॉ० अखिलेश कुमार, जानकी प्रकाशन, पटना

चतुर्थ सत्र
प्रश्न पत्र - 16
(विशेष अध्ययन)
वर्ग - 'क'
दिनकर

पाठ्य ग्रंथ :-

काव्य -

1. नील कुसुम 2. सीपी और शंख 3. चक्रवाल

गद्द साहित्य -

1. मिट्टी की ओर 2. संस्कृति के चार अध्याय 3. काव्य की भूमिका 4. पंत, प्रसाद और मैथिलीशरण 5. शुद्ध कविता की खोज

अभिस्तावित ग्रंथ :-

1. युग चारण दिनकर - डॉ० सावित्री सिन्हा
2. दिनकरनामा : भाग 1 से 5 - सं० डॉ० दिवाकर
3. दिनकर : आलोचकों की दृष्टि में - सं० डॉ० वचनदेव कुमार
4. अपने समय का सूर्य : दिनकर - डॉ० मन्मथ नाथ गुप्त
5. दिनकर : सृष्टि और दृष्टि - सं० डॉ० गोपाल कृष्ण कौल
6. दिनकर : एक पुनर्मूल्यांकन - डॉ० विजेन्द्र नारायण सिंह

चतुर्थ सत्र
प्रश्न पत्र - 16
(विशेष अध्ययन)
वर्ग - 'क'
अज्ञेय

पाठ्यांश :-

काव्य - 1-बावरा अहेरी, 2- आँगन के पर द्वार, 3-हरी घास पर क्षणभर ।

कथा साहित्य - नदी के द्वीप एवं मेरी प्रिय कहानियाँ ।

निबंध - त्रिशंकु

अभिस्तावित ग्रंथ :-

1. अज्ञेय की कथा साहित्य - ओमप्रभाकर
2. अज्ञेय के उपन्यासों की शिल्पविधि - सत्यपाल चुध
3. अज्ञेय की आधुनिक रचना की समस्या - रामस्वरूप चतुर्वेदी
4. शिखर से सागर तक - डॉo रामकमल राय
5. अज्ञेय की नई कविता - डॉo चन्द्रकला त्रिपाठी, संजय बुक सेंटर, वाराणसी

चतुर्थ सत्र
प्रश्न पत्र - 16
(विशेष अध्ययन)
वर्ग - 'क'
मुक्तिबोध

पाठ्यांश :-

1. चाँद का मुँह टेढ़ा है - ओ विरत स्वप्नों, हे प्रखर सत्य, जब प्रश्नचिन्ह बौखला उठे, ज़माने का चेहरा, ब्रहमराक्षस, चकमक की चिनगारियाँ, चाँद का मुहँ टेढ़ा है, दिमागी गुहांधकार का उरांग - उटांग
2. कथा साहित्य - ब्रहमराक्षस का शिष्य, काठ का सपना, पक्षी और दीमक , क्लाउ इथरली, विपात्र
3. एक साहित्यिक की डायरी
4. नए साहित्य का सौन्दर्य शास्त्र

अभिस्तावित ग्रंथ :-

1. कविता के नये प्रतिमान - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. नयी कविता और अस्तित्ववाद - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. मुक्तिबोध : ज्ञान और संवेदना - नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. मुक्तिबोध की काव्य प्रक्रिया - अशोक चक्रधर, मैकमिलन, दिल्ली
5. मुक्तिबोध : प्रतिबद्ध काव्यकला के प्रतीक - चंचल चौहान, लिपि प्रकाशन, दिल्ली

चतुर्थ सत्र

प्रश्न पत्र - 16

(विशेष अध्ययन)

वर्ग - 'क'

यशपाल

पाठ्यांश :-

उपन्यास - झूठा सच, देशद्रोही, दादा कामरेड, मनुष्य के रूप, मेरी तेरी उसकी बात ।

कहानी - पराया सुख, पर्दा, फूलों का कुरता, प्रतिष्ठा का बोझ, संकटमोचक, मक्रील, दूसरी रात, शम्बूक, आतिथ्य धर्मरक्षा, दाम ही दास ।

निबंध - चक्कर क्लब, गांधीवाद की शव परीक्षा ।

अभिस्तावित ग्रंथ -

1. यशपाल : हिन्दी कथा का साहित्य - सुरेशचन्द्र तिवारी
2. मार्कर्सवाद और उपन्यासकार यशपाल - पारसनाथ मिश्र
3. यशपाल : उपन्यास - स्नेहलता शर्मा
4. यशपाल के उपन्यास का विश्लेषणात्मक अध्ययन - सुदर्शन मल्होत्रा ।
5. यशपाल और मानिक बंदोपाध्याय - डॉ० सदाशिव द्विवेदी, सामाजिक प्रकाशन, दिल्ली ।

चतुर्थ सत्र
प्रश्न पत्र - 16
(विशेष अध्ययन)
वर्ग - 'क'
जैनेन्द्र

पाठ्यांश :-

उपन्यास - परख, सुनीता, त्यागपत्र, अनामस्वामी ।

कहानी - जैनेन्द्र की प्रतिनिधि कहानियाँ (सभी कहानियाँ)

निबंध - साहित्य का श्रेय व प्रेय, अकाल पुरुष गाँधी

अभिस्तावित ग्रथ :-

1. जैनेन्द्र के उपन्यासों का मनोवैज्ञानिक अध्ययन - डॉ० परमानंद श्रीवास्तव
2. जैनेन्द्र के उपन्यासों में नारी परिकल्पना - डॉ० अन्नपूर्णा सिंह
3. आधुनिक हिन्दी कथासाहित्य और मनोविज्ञान - डॉ० देवराज उपाध्याय
4. आधुनिकता के संदर्भ में आज का हिन्दी उपन्यास - अतुल वीर अरोड़ा
5. कथाकार जैनेन्द्र - डॉ० बच्चन सिंह

चतुर्थ सत्र

प्रश्न पत्र - 16

(विशेष अध्ययन)

वर्ग - 'क'

अमृतलाल नागर

पाठ्यांश :-

(क) उपन्यास

1. शतरंज के मोहरे, 2. सेठ बॉकेमल, 3. ये कोठे वालियाँ 4. बूँद और समुद्र, 5. एकदा नैमिषारण्ये 6. अमृत और विष 7. करवट 8. पीढियाँ 9. मेरी प्रिय कहानियाँ

अभिस्तावित ग्रंथ :-

1. हिन्दी उपन्यास साहित्य का अध्ययन - गणेशन ।
2. हिन्दी उपन्यास - रामदरश मिश्र ।
3. हिन्दी उपन्यास - सुषमा धवन ।
4. आज का हिन्दी उपन्यास - इन्द्रनाथ मदान ।
5. आधुनिकता के संदर्भ में आज का हिन्दी उपन्यास - अतुल वीर अरोड़ा
6. हिन्दी उपन्यास पर पाश्चात्य प्रभाव - भारत भूषण अग्रवाल ।

चतुर्थ सत्र

प्रश्न पत्र - 16

(विशेष अध्ययन)

वर्ग - 'ख'

साहित्य - प्रवृतियाँ

संतकाव्य

पाठ्यांश :-

1. नामदेव - (सम्पूर्ण), 2 कबीर : पद सं० 1 से 25 तक ।
2. नानक (केवल पद) 4 सुन्दरदास (छोट) संपूर्ण ।
3. पलटू - (संपूर्ण) ।

अभिस्तावित ग्रंथ :-

1. गोरखबानी - सं० डॉ० पीताम्बरदत्त बडथ्वाल हिन्दी साहित्य सम्मलेन, प्रयाग । आरंभिक 75 संवादियां ।
2. संत काव्य संग्रह - सं० परशुराम चतुर्वेदी, किताब महल, इलाहाबाद

चतुर्थ सत्र
प्रश्न पत्र - 16
(विशेष अध्ययन)
वर्ग - 'ख'
आधुनिक हिन्दी साहित्य (सन 1919 से 1947)

पाठ्यांश :-

कविता :

1. लहर - जयशंकर प्रसाद (केवल - प्रलय की छाया)
2. तुलसीदास - निराला
3. आधुनिक कवि - महादेवी वर्मा, हिन्दी साहित्य सम्मलेन, प्रयाग ।

(चुने हुए 10 गीत - निशा की धो देता राकेश, घोर तम छाया चरों ओर, जिस दिन नीरव तारों से, मधुरिमा के मधु के अवतार, चुभते ही तेरा अरुण बाण, कह दें मां क्या देखूँ प्राणों के अंतिम पाहुन, क्या पूजा क्या अर्चन रे, प्रिय सन्ध्य गगन, चिर सजग आँखें उनीदी, सों रहा है विश्व)

4. पंत - आधुनिक कवि, हिन्दी साहित्य सम्मलेन, प्रयाग ।

   10 कविताएँ - उच्छ्वास की बालिका, मौन निमंत्रण, अनित्य जग, निष्ठुर परिवर्तन, नित्य जग, चाँदनी, मानव, महात्मा जी के प्रति, ताज, कहारों का रूद्र नृत्य ।
5. नागार्जुन - प्रतिनिधि कविताएँ, सं० डॉ० नामवर सिंह

   राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली (निम्नलिखित पाँच कविताएँ - बहुत दिनों के बाद, अकाल और उसके बाद, आओ रानी हम ढोयेंगे पालकी, शासन की बंदूक, तीनो बंदर बापू के)
6. केदार नाथ अग्रवाल - आधुनिक कवि, हिन्दी साहित्य सम्मलेन, प्रयाग

   (केवल पाँच कविताएँ - बसंती हवा, चंदगहना से लौटती बेर धूप, प्रकृति, यथार्थ और मैं, पाब्लो नेरुदा के प्रति)

अभिस्तावित ग्रंथ :-

1. आधुनिक साहित्य - आचार्य नंददुलारे वाजपेयी
2. प्रसाद का काव्य - डॉ० प्रेमशंकर

3. हिन्दी नाटक - डॉ० बच्चन सिंह
4. छायावाद - डॉ० नामवर सिंह
5. निराला का साहित्य साधना - डॉ० रामविलास शर्मा, भाग - 1, 2, 3 राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. नवजागरण और छायावाद - डॉ० महेन्द्र नाथ राय, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
7. रचना प्रक्रिया और निराला - डॉ० शिवकरन सिंह, संजय बुक सेंटर बुलानाला, वाराणसी
8. हिन्दी साहित्य और संवेदना का इतिहास - डॉ० रामस्वरूप चतुर्वेदी

चतुर्थ सत्र
प्रश्न पत्र - 16
(विशेष अध्ययन)
वर्ग - 'ख'
स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य

पाठ्यांश :-

1. रागदरबारी - श्रीलाल शुक्ल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. एक दुनिया सामानांतर - सं० राजेन्द्र यादव
   खोई हुई दिशाएँ, एक और जिंदगी, तीसरी कसम, बदबू, सेलर
3. कबिरा खड़ा बाजार में - भीष्म साहनी
4. प्रतिनिधि कविताएँ - नागार्जुन, सं० डॉ० नामवर सिंह
   प्रतिबद्ध हूँ, हरिजन गाथा, पैने दाँतों वाली, अकाल और उसके बाद, बहुत दिनों के बाद ।
5. हँसों - हँसों, जल्दी हँसों - रघुवीर सहाय
   चुनी हुई कविताएँ - दो अर्थ का भय, आज का पाठ है हँसों - हँसों, जल्द हँसों, चेहरा है ।
6. प्रतिनिधि कविताएँ - केदारनाथ सिंह, सं० परमानंन्द श्रीवास्तव - रोटी, जमीन, पानी में घिरे हुए लोग बनारस टुटा हुआ ट्रक ।

अभिस्तावित ग्रथ :-

1. तारसप्तक, दूसरा सप्तक, तीसरा सप्तक - सं० अज्ञेय, ज्ञानपीठ
2. समकालीन कविता का यथार्थ - डॉ० परमानन्द श्रीवास्तव, हरियाणा अकादमी
3. मुक्तिबोध की रचना प्रक्रिया - अशोक चक्रधर
4. भाषा और संवेदना - डॉ० रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. एक साहित्य की डायरी - गजानन माधव मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. कविता के नये प्रतिमान - डॉ० नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. नई कविता: स्वरुप और संवेदना - डॉ० जगदीश गुप्त
8. समकालीन हिन्दी कहानी : दिश और दृष्टि - सं० डॉ० धनंजय
9. नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति - सं० देवीशंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

चतुर्थ सत्र
प्रश्न पत्र - 16
(विशेष अध्ययन)
वर्ग - 'ख'
मगध प्रक्षेत्र का साहित्य

पाठ्य पुस्तक - मगध के साहित्यकार - संपादन - स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग, मगध विश्वविधालय, बोधगया

पाठ्यांश :-

मोहन लाल महतो वियोगी, हंस कुमार तिवारी, जानकी बल्लभ शास्त्री, रामनरेश पाठक (गद्द एवं काव्य रचनाएँ)

अभिस्तावित ग्रंथ :-

1. हिन्दी साहित्य और बिहार - अंक 4 बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना
2. पं० मोहनलाल महतो वियोगी की काव्य- साधना - डॉ० रामनिरंजन परिमलेन्दु
3. पं० जानकी बल्लभ शास्त्री : आलोचकों की दृष्टि में - सं० डॉ० मारुति नंदन पाठक

चतुर्थ सत्र
प्रश्न पत्र - 16
(विशेष अध्ययन)
वर्ग - 'ग'
हिन्दी भाषा - शिक्षण

पाठ्यांश :-

1. भाषा - शिक्षण : उद्देश्य और स्वरुप
2. भाषा - शिक्षण के सिद्धांत : उद्दीपन - अनुक्रिया पुनर्बलन सिद्धांत, मध्यमीकरण, अंतर्जातक्षमता, संज्ञानात्मक विकास ।
3. भाषा - शिक्षण के संदर्भ में भाषा के प्रकार : मातृभाषा, द्‌वितीय भाषा । विदेशी भाषा, समतुल्य भाषा, परिपूरक भाषा, सहायक भाषा, संपूरक भाषा ।.
4. मातृभाषा - शिक्षण और अन्य भाषा में अंतर । द्‌वितीय भाषा - शिक्षण और विदेशी भाषा - शिक्षण
5. भाषा - शिक्षण की विधियाँ : व्याकरण - अनुवाद विधि, प्रत्यक्ष विधि, श्रवण-भाषा विधि, अभिक्रमित स्वाध्याय विधि, संप्रेषणात्मक विधि ।
6. भाषा कौशल और उनका विकास - श्रवण भाषण, वाचन और लेखन कौशलों का स्वरुप और उनमें योग्यता प्राप्ति के विविध सोपान ।
7. भाषा - शिक्षण में उपयोगी साधन : सामग्री - औपचारिक भाषा - शिक्षण, नक्शे, चार्ट, चित्र, भाषा-प्रयोगशाला, अनौपचारिक भाषा-शिक्षण, आकाशवाणी, सिनेमा, दूरदर्शन आदि ।
8. भाषा : शिक्षण और अभिरचना, अभ्यास - आधारभूत सिद्धांत और मान्यताएँ, भाषिक व्यधात । व्यतिरेकी विश्लेषण की सार्थकता और सीमाएँ ।
9. व्यतिरेकी विश्लेषण और त्रुटि-विश्लेषण - आधारभूत सिद्धांत और मान्यताएँ, भाषिक व्याघात । व्यतिरेकी विश्लेषण की सार्थकता और सीमाएँ ।
10. त्रुटि : विश्लेषण - आधारभूत सिद्धांत और मान्यताएँ ।

    त्रुटियों के स्त्रोत : अंतरभाषा की अवधारणा, शिक्षार्थी व्याकरण की संकल्पना और त्रुटि : विश्लेषण की सार्थकता और सीमाएँ ।

11. भाषा : परिक्षण और मूल्यांकन, भाषा : शिक्षण में निदानात्मक और उपचारात्मक विधियाँ ।
12. द्‌वितीय और विदेशी भाषा के रूप में हिन्दी : शिक्षण ।
13. हिन्दी उच्चारण, वर्तनी और व्याकरण का शिक्षण ।

अभिस्तावित ग्रंथ :-

1. भाषा शिक्षण - डॉ० रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
2. भाषा की शिक्षण विधियाँ एवं पाठ : नियोजन - डॉ० लक्ष्मी नारायण शर्मा
3. हिन्दी भाषा शिक्षण - भाई योगेन्द्रजीत
4. भाषा शिक्षण - डॉ० विजय राघव रेड्‌डी
5. हिन्दी शिक्षण पद्दति - डॉ० वैधनाथ प्रसाद शर्मा
6. हिन्दी अध्यापन - डॉ० कृष्णनन्दन प्रसाद अभिलाषी
7. हिन्दी शिक्षण - डॉ० जयनारायण 'कौशिक'
8. पाठ : योजनाएँ - एल० के० ओड
9. आधुनिक भारतीय शिक्षा : समस्या चिंतन - डॉ० ईश्वर दयाल गुप्त
10. भारतीय शिक्षा की वर्तमान समस्याएँ - महेशचंद्र सिंहल
11. शिक्षण के लिए आयोजन - जे० एन० पुरोहित

चतुर्थ सत्र
प्रश्न पत्र - 16
(विशेष अध्ययन)
वर्ग - 'ग'
अनुवाद - कला

पाठ्यांश :-

अनुवाद - व्युत्पत्ति, अर्थ और परिभाषा

1. अनुवाद - पुनरीक्षण, संपादन, मूल्यांकन ।
2. मशीनी अनुवाद
3. अनुवाद की सार्थकता, प्रारंभिकता एवं व्यावसायिक परिदृश्य ।
4. अनुवादक के गुण ।
5. पाठ की अवधारणा और प्रकृति ।
   पाठ : शब्द प्रति शब्द, शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, पूर्ण और आंशिक अनुवाद, आशु अनुवाद
6. व्यावहारिक अनुवाद प्रश्न पत्र में दिए गए अंग्रेजी अवतरण का हिन्दी अनुवाद

अभिस्तावित ग्रंथ :-

1. अनुवाद क्या है - डॉ० राजकमल बोरा : वाणी प्रकाशन, 21 - ए, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली - 21
2. अनुवाद सिद्धांत की रूप रेखा - डॉ० सुरेश कुमार, प्रकाशन उपरिवत
3. औवाद : अवधारणा और अनुप्रयोग - चंद्रभान रावत, दिलीप सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, 2/35, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली - 110002.
4. अनुवाद चिंतन : एल० एन० शर्मा, सौमित्र : विधा प्रकाशन मंदिर, 1681, दरियागंज, नई दिल्ली - 21
5. अनुवाद विज्ञान - सिद्धांत और अनुप्रयोग : सं० डॉ० नगेन्द्र, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, नई दिल्ली ।

6. अनुवाद विज्ञान - सिद्धांत एवं सिद्धि : अवधेश मोहन गुप्त, सन्मार्ग प्रकाशन, 16 यु० वी० वैंग्लोरोड़, जवाहर नागर, दिल्ली - 110007.
7. प्रारंभिक अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत और प्रयोग - अवधेश मोहन गुप्त, प्रकाशन उपवरित ।
8. अनुवाद का भाषिक सिद्धांत : जे० सी० रदरफोर्ट, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल ।
9. भारतीय भाषाएँ और हिन्दी अनुवाद : समस्या और समाधान - डॉ० कैलास चंद्र भाटिया : वाणी प्रकाशन, 21 ए, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली - 110002 ।
10. अनुवाद और मशीनी अनुवाद : वृषभ प्रसाद जैन, सारांश प्रकाशन, 142 ई, पॉकिट सहित्यनुवाद : संवाद और संवेदना डॉ० आरसु, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली - 2
11. काव्यानुवाद : सिद्धांत और समस्याएँ - नवीन चंद्र सहगल, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, नई दिल्ली ।
12. हिन्दी में व्यावहारिक अनुवाद - अलोक कुमार रस्तोगी ।
13. अनुवाद : सिद्धांत और प्रयोग - गोपनीय श्रीवास्तव ।
14. अनुवाद कला - विश्वनाथ अययर ।
15. हिन्दी अनुवाद : समस्या और अमधन - डॉ० जितेन्द्र वत्स ।
16. अनुवाद कला - डॉ० वासुदेव नंदन प्रसाद ।
17. अनुवाद विज्ञान - डॉ० भोलानाथ तिवारी ।

चतुर्थ सत्र
प्रश्न पत्र - 16
(विशेष अध्ययन)
वर्ग - 'ग'
बोली विज्ञान एवं सर्वेक्षण पद्धति

पाठ्यांश :-

1. बोली एवं भाषा :

   बोली, बोली के विविध रूप, व्यक्ति बोली वर्ग बोली सोसियोलेक्ट बोली एवं भाषा - भाषा बोली विज्ञान परिभाषा, स्वरुप एवं मानकीकरण बोली - निर्धारण :

2. बोली - निर्धारण :

   बोधगम्यता, सरल भाषा - संबंध एलसिंपलेक्स एवं एलसिकंप्लेक्स, सरल भाषा संबंध एवं जटिल भाषा संबंध संकेत, नाद, उभयनिष्ठ अंतर्भाग, अर्द्ध द्विभाषिकता समवेशक, प्रतिमान, शब्दसमूह, व्याकरणिक रूपो की समानता, बोली निर्धारण की समस्याएं ।

3. बोली - भूगोल :

   नामकरण, बोली मानचित्रावाली निर्माण : पद्धति भेद : ध्वन्यात्मक, रूप प्रक्रियात्मक विवरण विधि : बिन्दु विधि, संरेख विधि, आंकिक विधि, संमभाषांश, सीमारेखा, संमभाषांश रेखासमुह, समध्वनि सीमारेखा, केन्द्रीय क्षेत्र, संक्रमण क्षेत्र ।

4. सर्वेक्षण - पद्धति :

   सर्वेक्षण : परिभाषा, स्वरुप, सर्वेक्षण विधि, एक भाषिक, विभाषिक सर्वेक्षण स्थान समुदाय चुनाव के आधार, सर्वेक्षक योग्यता, सर्वेक्षक एवं सूचक, सूचक चयन प्रणाली - गुण, प्रश्नावली निर्माण, सामग्री संकलन : पद्धति, अवधि आदि, सामग्री अंकन, आगत शब्दावली, संकलित शब्दावली सेंकलितसामग्री, विश्लेषण पद्धति ।

5. बोली विज्ञान - अनुप्रयोग :

   अपने भाषायी क्षेत्र के बोली विशेष के सर्वेक्षण एवं विश्लेषण की समस्याएंतथा समाधान ।

अभिस्तावित ग्रंथ :-

1. आधुनिक भाषा विज्ञान - डॉo राजमणि शर्मा ।
2. भाषा भूगोल - डॉo कैलाशचन्द्र भाटिया ।
3. नागपुरी भाषा और साहित्य - डॉo श्रवण कुमार गोस्वामी
4. भोजपुरी भाषा और साहित्य - डॉo उदयनारायण तिवारी
5. बुलन्दशहर एवं खुर्जा तहसीलों की बोलियों का समकालिक अध्ययन - डॉo महावीर शरण जैन
6. लिंग्विस्टिक सर्वे आफ इण्डिया सभी भाग - डॉo जार्ज अब्राहम ग्रियर्सन ।
7. आगरेजिले की बोली - रामस्वरूप चतुर्वेदी

चतुर्थ सत्र

प्रश्न पत्र - 16

(विशेष अध्ययन)

वर्ग - 'ग'

कोशविज्ञान

पाठ्यांश :-

1. कोश, परिभाषा और स्वरुप । कोश की उपयोगिता । कोश और व्याकरण का अंत : संबंध
2. कोश के भेद - समभाषी, द्विभाषी और बहुभाषी कोश, एककालिक और कालक्रमिक कोश : विषय कोश, पारिभाषिक कोश, व्युत्पत्ति कोश, समांतर कोश, अध्येताकोश विश्वकोश, बोलीकोश
3. कोश - निर्माण की प्रक्रिया - सामग्री संकलन, प्रविष्टिक्रम व्याकरणिक कोटि, उच्चारण, व्युत्पत्ति, आर्ट पर्याय, व्याख्या, चित्र, प्रयोग, उप प्रविष्ठियाँ, संक्षिप्तियाँ, संदर्भ और प्रतिसंदर्भ
4. प्रविष्टी संरचना, रूपिम, शब्द और शाब्दिक, सरल, व्युत्पन्न और सामासिक, शाब्दिक सहप्रयोगात्मक, व्युत्पादक समास, सहप्रयोग और संदर्भ
5. रूपअर्थ संबंध - अनेकार्थकता, समनार्थकता, समनामता, समध्वन्यात्मकता, विलोमता ।
6. कोश : निर्माण की समस्याएँ - समभाषी, द्विभाषी और बहुभाषी कोशो के संदर्भ में, अलिखित भाषाओँ का कोश - निर्माण
7. कोशविज्ञान और अन्य विषयों का संबंध - कोशविज्ञान और स्वनविज्ञान, व्याकरण, व्युत्पत्तिशास्त्र और अर्थविज्ञान का संबंध ।
8. पाश्चात्य कोश परंपरा, भारतीय कोश परंपरा तथा हिन्दी कोश साहित्य का इतिहास । हिन्दी के प्रमुख कोश और कोशकार
9. स्वचालित सामग्री संसाधन, कम्प्यूटर और कोश निर्माण ।
10. कोश : निर्माण - विज्ञान या कला ।

अभिस्तावित ग्रंथ :-

1. कोश विज्ञान : सिद्धांत एवं प्रयोग - राम अधार सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली - 2
2. कोश विज्ञान - डॉ० भोला नाथ तिवारी, शब्दकार, तुर्कमान गेट, दिल्ली - 5
3. कोश निर्माण : प्रविधि एवं प्रयोग - डॉ० त्रिभुवननाथ शुक्ल ।

चतुर्थ सत्र
प्रश्न पत्र - 16
(विशेष अध्ययन)
वर्ग - 'ग'
पाठालोचन

पाठ्यांश :-

खण्ड क : 'पाठ' की अवधारणा - वस्तुनिष्ठता का संदर्भ स्वायत्तता का संदर्भ, संरचना का संदर्भ, विन्यास का संदर्भ, शब्दावली का संदर्भ, अग्रप्रस्तुति का संदर्भ

'पठन' की पद्दति - पाठ की प्राचीन भारतीय पद्दतियाँ, प्रथम पाठ का प्रकार्य : अर्थबोध, द्वितीय पाठ का प्रकार्य : सौंदर्यबोध

पाठकों के प्रकार - अ : साहित्यिक पाठक : त्वरा और आवेग, गैर साहित्यिक पाठक : साहित्येतर संदर्भों की खोज

खण्ड ख : पठानुसधान की समस्याएँ । : ग्रंथानुसंधान तथा अधार सामग्री की खोज : संस्थागत : संपर्क. व्यक्तिगत : सम्पर्क, पांडुलिपियों का वंशवृक्ष निर्माण, पाठ का तिथि : निर्धारण, पाठांतर का अध्ययन, प्रक्षिप्त पाठ की पहचान, पाठनिर्धारण और लिपिविज्ञान, पाठनिर्धारण और छंदोंविधान पाठानुसंधान के मानक : ग्रंथ ।

खण्ड ग : पाठालोचन की पद्दतियाँ : पाठ का शैली वैज्ञानिक अध्ययन, पाठ का संरचनावादी अध्ययन, पाठ का प्रकार्यमूलक व्याकरणिक अध्ययन, पाठ का रुपवैज्ञानिक अध्ययन, पाठ का विखंडनमुखी अध्ययन, पाठ का सौंदर्यशास्त्रीय अध्ययन ।

अभिस्तावित ग्रंथ :-

1. हिन्दी पाठानुसंधान - डॉ० कन्हैया सिंह, लोक भारती 15 ए, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद - 1
2. पाठ संपादन के सिद्धांत - डॉ० कन्हैया सिंह, लोक भारती 15 ए, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद - 1

3. पाठालोचन के सिद्धांत - डॉ० गोविन्दनाथ राजगुरु : राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर ।
4. भारतीय पाठालोचन की भूमिका - डॉ० एस० एम कत्रे : मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल ।
5. पाठालोचन सिद्धांत और प्रक्रिया - विमलेश कांति ।
6. भारतीय पाठालोचन की भूमिका - अनुवाद - डॉ० उदय नारायण तिवारी ।
7. प्राचीन भारतीय लिपिमाला - डॉ० गौरीशंकर हीराचंद ओझा ।
8. रामचरितमानस के पाठ - डॉ० माता प्रसाद गुप्त ।

चतुर्थ सत्र
प्रश्न पत्र - 16
(विशेष अध्ययन)
वर्ग - 'ग'
दृश्य - श्रव्य माध्यम लेखन

पाठ्यांश :-

1. हिन्दी माध्यम लेखन का संक्षिप्त इतिहास ।
2. रेडियो नाटक की प्रविधि ।
3. रंग नाटक, पाठ्यनाटक और रेडियो नाटक का अंतर ।
4. रेडिओ नाटक के प्रमुख भेद : रेडियो धारावाहिक, रेडियो, रूपांतर रेडिया फैन्टेसी, संगीत रूपक आलेख रूपक (डाक्यूमेंट्री फीचर)
5. टी० वी० नाटक की तकनीक । टेली ड्रामा, टेली फिल्म, डाक्यूड्रामा तथा टी० वी० धारावाहिक में साम्य वैषम्य ।
6. साहित्यिक विधाओं की दृश्य - श्रव्य रूपांतर - कला । इलैक्ट्रोनिक मीडिया द्वारा प्रसारित समाचारों के संकलन : संपादन और प्रस्तुतीकरण की प्रविधि ।
7. संचार माध्यमों द्वारा प्रसारित विज्ञापनों की भाषा ।
8. विज्ञापन फिल्मों की प्रविधि ।
9. संचार माध्यमों की भाषा ।
10. हिन्दी के समक्ष आधुनिक जनसंचार और सूचना प्रौधोगिकी की चुनौतियाँ ।

अभिस्तावित ग्रंथ :-

1. जनमाध्यम सैद्धांतिकी - जगदीश्वर चतुर्वेदी एवं सुधा सिंह ।
2. जनमाध्यम प्रौधोगिकी और विचारधारा - जगदीश्वर चतुर्वेदी
3. माध्यम साम्राज्यवाद - जगदीश्वर चतुर्वेदी ।
4. सूचना समाज - जगदीश्वर चतुर्वेदी ।
5. इलैक्ट्रोनिक मीडिया - टी० डी० एस० अलोक ।

6. दूर संचार - डी० सी० एल० गर्ग ।
7. टेलीविजन - डॉ० वीरेन्द्र भटनागर ।
8. दूर दर्शन और टेलिफिल्में - सविता चड्ढा ।
9. जनसंचार - दृश्य - परिदृश्य - पृथ्वीनाथ पांडेय ।
10. प्रसारण की विविध दिशाएँ - मुरली मनोहर मंजुल
11. भारतीय विज्ञापन में नैतिकता - मधु अग्रवाल
12. दूर - संचार और सूचना प्रौधोगिकी - डॉ० डी० डी० ओझा

चतुर्थ सत्र
प्रश्न पत्र - 16
(विशेष अध्ययन)
वर्ग - 'ग'
हिन्दी पत्रकारिता

पाठ्यांश :-

क. इतिहास -

1. हिन्दी पत्रकारिता का उदभव और विकास
2. प्रमुख पत्र - उदंत मा मार्त्तण्ड, हरिश्चंद्रचंद्रिका, बिहारबंधु, पीयूष प्रवाह, हिन्दी प्रदीप, ब्राह्मण, सरस्वती, कर्मवीर, प्रताप, हंस, माधुरी, मतवाला
3. पत्रकार - भारतेंदु, अम्बिकादत्तव्यास, केशवराम भट्ट शिवपूजन सहाय, बेनीपुरी, महावीर प्रसाद द्विवेदी, पराड़कर, गणेश शंकर विधार्थी

ख. सिद्धांत - समाचार की परिभाषा, समाचार संकलन, संपादन कला, भेंटवार्ता, शीर्षक, संवाददाता, फीचर, संपादकीय, फोटो पत्रकारिता, कार्टून, अमुख, पृष्ठ सज्जा, रेडियो एवं टी० वी० पत्रकारिता, मुद्रण क्ला, प्रेस कानून

ग. प्रयोग - समाचार कैसे बनायें, शीर्षक कैसे दें ? प्रूफ रीडिंग, टिप्पणी लेखन, ले आउट, पत्रों के विभिन्न स्तंभ, सामयिक लेखन ।

अभिस्तावित ग्रंथ :-

1. हिन्दी समाचार पत्रों का इतिहास - पं० अंबिका प्रसाद वाजपेयी ।
2. हिन्दी पत्रकारिता - डॉ० कृष्णलाल ।
3. हिन्दी पत्रकारिता - सं० डॉ० वेदप्रताप वैदिक ।
4. पत्रकार कला - पन्नालाल श्रीवास्तव ।
5. पत्र संपादन कला - नंदकिशोर शर्मा
6. संपूर्ण पत्रकारिता - हेरम्ब मिश्र ।
7. समाचार संकलन और लेखन - नंदकिशोर शर्मा ।

8. पत्रकारिता के विविध संदर्भ - डॉ० वंशीधर लाल ।
9. पत्रकारिता : सिद्धांत और विश्लेषण - विश्वनाथ सिंह ।
10. प्रेस विधि - डॉ० नंदकिशोर त्रिखा ।
11. बिहार की साहित्यिक पत्रकारिता - डॉ० कृष्णानन्द द्विवेदी ।
12. समछार पत्रों का संगठन और प्रबंध - डॉ० सुकुमाल जैन ।
13. भारतेन्दुयुगीन हिन्दी पत्रकारिता - डॉ० वंशीधर लाल ।
14. भारतीय स्वतंत्रता और पत्रकारिता - डॉ० वंशीधर लाल
15. आधुनिक पत्रकार कला, भाग 1 और 2 - विष्णुदत्त शुक्ल ।
16. आधुनिक पत्रकार कला - रामकृष्ण रघुनाथ खाडिलकर ।
17. हिन्दी पत्रकारिता के इतिहास की भूमिका - जगदीश्वर चतुर्वेदी ।
18. जन संचार और हिन्दी पत्रकारिता - डॉ० अर्जुन तिवारी ।
19. खोजी पत्रकारिता - डॉ० विजय अग्रवाल ।
20. संपादन के सिद्धांत - डॉ० रामचंद्र तिवारी ।
21. हिन्दी पत्रकारिता : रीति, वृति और नीति - डॉ० जितेन्द्र वत्स ।

चतुर्थ सत्र
प्रश्न पत्र - 16
(विशेष अध्ययन)
वर्ग - 'ग'
हिन्दी नाटक और रंगमंच

पाठ्यांश :-

1. नाटक और रंगमंच का स्वरुप ।
2. रंगमंच के प्रकार, रंगशिल्प, रंग सम्प्रेषण के विविध घटक तत्वों का विस्तृत विवेचन ।
3. हिन्दी नाटक और रंगमंच का संक्षिप्त इतिहास
   नाटक का विकास - भारतेन्दु युग - प्रसाद युग, स्वातंत्र्योत्तर काल, नया नाटक, लोक नाट्य, नुक्कड़ नाटक ।

रंगमंच की दृष्टि से मौलिक एवं अनूदित नाटकों का अध्ययन :-

1. भारत दुर्दशा - भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ।
2. अजातशत्रु - जयशंकर प्रसाद ।
3. लहरों के राजहंस - मोहन राकेश ।
4. कोणार्क - जगदीशचन्द्र माथुर ।
5. अंधायुग - डॉ० धर्मवीर भारती ।

अभिस्तावित ग्रंथ :-

1. हिन्दी नाटक : उदभव और विकास - डॉ० दशरथ ओझा
2. हिन्दी नाटकों का रूप विधान - डॉ० चंदूलाल दुबे
3. हिन्दी नाटक पुनर्मूल्यांकन - डॉ० सत्येन्द्र तनेजा
4. भारतेन्दु का नाट्य साहित्य - डॉ० वीरेन्द्र शुक्ल
5. भारतेन्दु के नाटकों का तात्विक अध्ययन - डॉ० गोपीनाथ तिवारी
6. जयशंकर प्रसाद के नाटकों में इतिहास और संस्कृति- डॉ० उमेश चंद्र मिश्र 'शिव'
7. आधुनिक हिन्दी नाटक - डॉ० चन्द्रशेखर
8. आधुनिक हिन्दी नाटक और रंगमंच - डॉ० लक्ष्मी नारायण लाल

9. अपने नाटकों के दायरे में मोहन राकेश - डॉ० तिलकराज शर्मा
10. भारतेन्दु कालीन नाट्य साहित्य और रंगमंच - डॉ० वासुदेव नंदन प्रसाद
11. नाटककार जगदीश चंद्र माथुर - डॉ० गोविन्द चातक
12. हिन्दी नाटक : सिद्धांत और विवेचन - डॉ० गिरीश रस्तोगी
13. हिन्दी नाट्य साहित्य का आलोचनात्मक अध्ययन - डॉ० वेदपाल खन्ना
14. अभिनव नाट्यशास्त्र - आचार्य सीताराम चतुर्वेदी
15. भारतीय नाट्यशास्त्र और रंगमंच - डॉ० रामसागर त्रिपाठी
16. आधुनिक हिन्दी नाटककारों के नाट्य सिद्धांत - डॉ० निर्मला हेमंत
17. संस्कृत रूपक के प्रकार - डॉ० वंशीधर लाल
18. भरत के नाट्यशास्त्र की नाट्यशालाओं के विविध रूप - डॉ० राय गोविन्द चंद
19. रंग - दर्शन - डॉ० नेमिचन्द्र जैन
20. नाटककार मोहन राकेश - जीवन प्रकाश जोशी
21. नाटककार मोहन राकेश - डॉ० सुन्दरलाल कथुरिया
22. प्रसाद के नाटक - डॉ० सिद्धनाथ कुमार
23. हिन्दी समस्या नाटकों की शिल्प विधि - डॉ० पूनम कुमारी

चतुर्थ सत्र
प्रश्न पत्र - 16
(विशेष अध्ययन)
वर्ग - 'ग'
लोक - साहित्य

पाठ्यांश :-

खण्ड 'क'

लोक और लोकवार्ता, लोकवार्ता और लोक विज्ञान, लोक संस्कृति : अवधारणा, लोक संस्कृति और साहित्य, भारत में लोकसाहित्य के अध्ययन की परम्परा, लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण, लोकगीत, लोकनाट्य, लोककथा, लोकनृत्य, लोकसंगीत, लोककला, लोकसुभाषित, लोकगीत : स्वरुप एवं भेद, लोकगीत की विशेषता, लोकनाट्य की विशेषता, लोककथा के भेदेवाम विशेषता, लोकगाथा के भेद एवं विशेषता, लोकनृत्य का स्वरुप विशेषता, लोकसंगीत, लोक वाद्य, लोकराग एवं रागिनियाँ, मुहावरा स्वरुप एवं विशेषता, पहेलियों का स्वरुप एवं विशेषता

खण्ड 'ख'

मगही लोक साहित्य का वर्गीकरण, मगही लोकगीत : विविध भेद एवं विशिष्ठता, मगही लोककथाओं का वर्गीकरण और विशेषताएँ, मगही लोककथा गीत - चौहट, चंपिया, दौलत, जतसार आदि । मगही लोकनाट्य गीत - वागुली, सामा चकवा, जट - जटिन, करमा आदि । मगही लोकगाथा - लोरिकाइन, राजा गोपीचंद, छतरी घुघुलिया, रेशमा, चुहड़मल, कुँवर विजयी, मगही का प्रकीर्ण, साहित्य - मुहावरे, बुझौवल, दशकूटक

अभिस्तावित ग्रंथ :-

1. मगही लोकसाहित्य में वेदनानुभूति - डॉ० सुरेन्द्र कुमार
2. मगही लोकगीतों में सिवाह-वर्णन - डॉ० उदय राज 'उदय'
3. मगही लोकगाथाओं का शास्त्रीय अनुशीलन - डॉ० एनामुल हक
4. लोक साहित्य क अध्ययन - डॉ० त्रिलोचन पण्डेय
5. लोक साहित्य : स्वरुप और मूल्यांकन - डॉ० श्रीराम शर्मा
6. लोक साहित्य का शास्त्रीय अनुशीलन - महेश कुमार

7. लोक साहित्य की रूप रेखा - डॉ० कृष्णदेव उपाध्याय
8. लोक साहित्य और संस्कृति - डॉ० दिनेश्वर प्रसाद
9. लोक साहित्य विज्ञान - डॉ० सत्येन्द्र
10. लोक साहित्य - डॉ० जवाहर एवं डॉ० स्वर्णलता अग्रवाल
11. लोक साहित्य - श्री इन्द्रदेव सिंह
12. लोक गीतों की सामाजिक व्याख्या - श्रीकृष्ण दास
13. लोकगीतों के संदर्भ और आयाम - श्री शांति जैन
14. भारतीय लोक नाट्य - डॉ० वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी
15. बिहार के लोक नाट्यों की प्रमुख शैलियों का विवेचन - रेखादास
16. मगही लोक साहित्य - डॉ० सम्पति अर्याणी
17. मगही भाषा और साहित्य - डॉ० सम्पति अर्याणी
18. मगही संस्कार गीत संपादक - डॉ० विश्वनाथ प्रसाद
19. मगधांचल की लोक कथाएँ - डॉ० जितेन्द्र वत्स
20. मगही लोक कथाएँ : अनुशीलन - डॉ० रामप्रसाद सिंह
21. मध्योत्तर भारत के लोकनाट्य - नृत्य - डॉ० अर्जुनदास केसरी
22. लोक गीतों में क्रांतिकारी चेतना - विश्वामित्र उपाध्याय
23. करमा - डॉ अर्जुनदास केसरी
24. बिहार की नाटकीय विधाएँ - डॉ० महेश कुमार सिन्हा

चतुर्थ सत्र

प्रश्न पत्र - 16

(विशेष अध्ययन)

वर्ग - 'ग'

जनपदीय भाषा और साहित्य - मगही

पाठ्यांश :-

(क) मगही भाषा का विकास :-

मगही और आधुनिक भारतीय भाषाएँ, प्राचीन भारतीय आर्य भाषा, मगही का नामकरण, मगही भाषा का क्षेत्र, मगही भाषा का उदभव औए विकास, मगही की उपबोलियाँ - पंचपरंगनियाँ,खोरठा, कुरमाली आदि

(ख) मगही साहित्य का इतिहास :-

सिद्धकालीन परिस्थितियाँ और प्रवृतियाँ, भक्तिकालीन परिस्थितियाँ, रीतिकालीन परिस्थितियाँ और प्रवृतियाँ.

(ग) मगही के विशिष्ठ रचनाकारों का अध्ययन :-

पाठ्यपुस्तक : मगही काव्य सरिता : सं० डॉ० भरत सिंह

सरहपा, कण्हपा, शांतिपा लुईपा, कबीर, धरमदास, पलटूदास, चंदनदास, बदरीदास, भजनदेवस्वामी, झुनकियाबाबा, हरिनाथ पाठक, पुण्डरीक, श्रीकांत शास्त्री, श्रीनंदन शास्त्री, मथुरा प्रसाद नवीन, मिथिलेश, राजेंद्र कुमार यौधेय, योगेश्वर प्रसाद सिंह योगेश, रामगोपाल शर्मा रूद्र, राम नरेश पाठक, जयराम सिंह, सुरेश दुबे सरस, परमेश्वरी, चक्रधर प्रसाद सिंह, कृष्णदेव प्रसाद, बाबूलाल मधुकर, शेष आनन्द मधुकर, रामसिंहासन सिंह विधार्थी, मृत्युंजयमिश्र करुणेश, श्रीकांत जैतपुरिया, कृष्णमोहन प्यारे, परमानंद, गोवर्धन प्रसाद सदय, दशई सिंह, हरिश्चंद्र प्रियदर्शी, कन्हैयालाल मेहरवार, रामकृष्ण मिश्र, मनोज कुमार कमल, सतीश कुमार मिश्र, चतुरानन्द मिश्र, जयनाथ, जयराम देवसपुरी, राठौर, रामनरेश प्रसाद वर्मा, डॉ० नलिन, घमंडी राम, हरीन्द्र विधार्थी, उदयशंकर शर्मा, नरेन्द्र कुमार सिंह, एस. पी. पांशुल, डॉ० आर इसरी, उमेश, किशोर, जानकी बल्लभ शास्त्री, सरयू प्रसाद, राजेश्वर नारायण, रामनरेश मिश्र 'हंस', सूर्यनारायण शर्मा

अभिस्तावित ग्रंथ :-

1. चौरासी बोद्ध सिद्ध - रसिक बिहारी मंजुल
2. नाथ सिद्धों की वानियाँ - हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. शब्दशिल्पियों के सान्निध्य में - ईश्वर प्रसाद मय
4. मगही काव्य साहित्य की आधुनिक प्रवृतियाँ - डॉ० रामगोपाल पाण्डेय
5. आधुनिक मगही गीत : स्वरुप और विश्लेषण - डॉ० भरत सिंह
6. मगही भाषा और साहित्य - डॉ० सम्पत्ति आर्याणी
7. मगही का आधुनिक साहित्य - कपिलदेव सिंह
8. मगही भाषा - डॉ० योगेश्वर
9. मगही साहित्य का इतिहास - डॉ० सत्येन्द्र कुमार सिंह
10. मगही साहित्य का इतिहास - डॉ० राम प्रसाद सिंह
11. भारत का भाषा सर्वेक्षण - सरजार्ज ग्रियर्सन
12. भारतीय आर्य भाषा - ज्युलब्लाख, अनुवादक - डॉ० लक्ष्मीसागर वाष्प्रेय
13. हिन्दी और मगही की व्याकरणिक कोटियों का अध्ययन - डॉ० सरोज कुमार त्रिपाठी
14. रूप विज्ञान की दृष्टि से मगही और भोजपुरी - डॉ० लक्ष्मण प्रसाद सिन्हा
15. प्राकृत भाषाएँ और भारतीय संस्कृति में उनका अवदान - एम. एम. कत्र
16. भाषा भूगोल - डॉ० कैलाशचंद्र भाटिया
17. मगही की भाषा - वैज्ञानिक - मीमांसा - डॉ कुमार राजीव रंजन